विशाल इण्डिया

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

सच्चाई की राह पर!

वर्ष : 13 | अंक : 61 | गौतमबुद्धनगर, मंगलवार 30 जनवरी 2024 | पृष्ठ : 08 मूल्य : 02 रूपये | आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236

P- 3

घर बुलाकर लाठी डंडों से पीटकर यूट्यूबर की हत्या

P- 4

बिरधा के लाल ने किया कमाल उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य

P- 5

ड्रोन हमलों के बाद ईरान-पाकिस्तान एक साथ बैठकर सुलझाएंगे मसले

P- 6

अंडर 19 विश्व कप सुपर सिस में आज न्यूजीलैंड से होगा भारतीय टीम का

हैप्पी मॉर्निंग

यमराज (औरत से)- चलो, मैं तुम्हें लेने आया हूं।
औरत- बस दो मिनट दे दो।
यमराज- दो मिनट में ऐसा क्या कर लोगी?
औरत- फेसबुक पर स्टेटस डालना है, Traveling to Yamlok
यमराज के उड़ गए होश

शायरी

वो सर्दी से ठिठुरता है न गर्मी ही सताती है
ये मौसम हार जाते हैं ग़रीबी जीत जाती है

अर्थसार

सेंसेक्स:
71,941.57
+1,240.90 (1.76%)
निफ्टी:
21,737.60
+385.00

मौसम

अधिकतम : 17 डिग्री से0
न्यूनतम : 12 डिग्री से0
सूयोदय बुधवार : 7 : 17
सूर्यास्त मंगलवार : 5 : 58

'सिमी' पर पांच सालों के लिए बढ़ाया गया प्रतिबंध

राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों को अंजाम दे रहा संगठन

नई दिल्ली। स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया के खिलाफ भारत सरकार ने कड़ा एक्शन लिया है। गृह मंत्रालय ने आज (29 जनवरी) यूएपीए के तहत पांच सालों की अवधि के लिए इस संगठन को गैरकानूनी संघ करार दिया है। बता दें कि यह एक प्रतिबंधित संगठन है।

देश की शांति के लिए संगठन बन रहा खतरा: गृह मंत्री

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट करते हुए लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस के दृष्टिकोण को मजबूत करते हुए, सिमी को गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम के तहत पांच साल की अवधि के लिए गैरकानूनी संघ घोषित किया गया है।

अमित शाह ने कहा, सिमी को भारत की संप्रभुता, सुरक्षा और अखंडता को खतरे में डालने के लिए आतंकवाद को बढ़ावा देने, शांति और सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने में शामिल पाया गया है।

एक अधिसूचना मे केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि सिमी अपनी विध्वंसक गतिविधियों को जारी रख रहा है और अपने कार्यकर्ताओं को फिर से संगठित कर रहा है जो अभी भी फरार हैं। यह संगठन साम्प्रदायिकता, वैमनस्य पैदा करके, राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने की कोशिश में जुटी है।

1977 में हुई थी संगठन की स्थापना

कुछ दिनों पहले सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार ने कहा था कि यह संगठन देश में इस्लामिक जिहाद फैलाने के कृत्य में संलिप्त है। बता दें कि यह सिमी एक प्रतिबंधित इस्लामिक छात्र संगठन है। संगठन की स्थापना 25 अप्रैल 1977 को उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में हुई थी। साल 2001 में पहली बार सिमी को आतंकवादी गतिविधियों में लिप्त रहने के कारण प्रतिबंधित किया गया था, जब अटल बिहारी वाजपेयी सरकार सत्ता में थी। इसके बाद 2008 में संगठन से कुछ दिन के लिए बैन हटाया गया। हालांकि, राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर संगठन पर उसी साल फिर से बैन लगा दिया गया।

विजय चौक पर पूरी हुई बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी

तीनों सेनाओं के बैंड ने 31 धुनें पेश कीं; राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री मौजूद रहे

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के विजय चौक पर सोमवार (29 जनवरी) को बीटिंग द रिट्रीट सेरेमनी के साथ गणतंत्र दिवस के चार दिन तक चलने वाले कार्यक्रमों का समापन हुआ। तीनों सेनाओं के साथ सीएपीएफ के बैंड ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के सामने 31 क्लासिकल धुनें बजाईं।

समारोह में पीएम मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, एनएसए अजीत डोभाल सहित अन्य केंद्रीय मंत्री और आम जनता मौजूद रही। विजय चौक की सभी प्रमुख इमारतों को रंग-बिरंगी लाइटिंग से सजाया गया था। तीनों सेनाओं के बैंड ने सेरेमनी की शुरुआत शंखनाद की धुन बजाकर की थी।

समारोह के अंत में सभी बैंड मास्टर राष्ट्रपति के पास गए और बैंड वापस ले जाने की इजाजत मांगी। इसके बाद समारोह समाप्त किया गया।

बीटिंग द रिट्रीट सेरेमनी में बजाई गईं 31 धुनें

शंखनाद के बाद पाइप और ड्रम बैंड के जरिए वीर भारत, संगम दूर, देशों का सरताज भारत, भागीरथी और अर्जुन धुन बजाई गईं। सीएपीएफ बैंड भारत के जवान और विजय भारत का संगीत पेश किया।

इंडियन एयरफोर्स के बैंड ने टाइगर हिल, रेजोइस इन रायसीना और स्वदेशी म्यूजिक बजाया। इंडियन नेवी के बैंड ने आईएनएस विक्रांत, Mission चंद्रयान, जय भारती और हम तैयार हैं की धुनें पेश कीं।

इंडियन आर्मी के बैंड ने फौलाद का जिगर, अग्निवीर, कारगिल 1999 और ताकत वतन का म्यूजिक बजाकर समा बांधा। सभी बैंड ने ग्रुप में कदम-कदम बढ़ाए जा, ऐ मेरे वतन के लोगों और ड्रमर्स कॉल का म्यूजिक पेश किया। बीटिंग रिट्रीट कार्यक्रम का समापन सारे जहां से अच्छा के साथ किया गया।

तेज रफ्तार ट्रॉली ने कार को मारी टक्कर, पांच लोगो की मौत

एजेंसी

एक ही परिवार के 5 सदस्यों की मौत

इस हादसे में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं एक महिला बुरी तरह घायल हो गई। पुलिस ने बताया कि उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि लॉरी चालक को पकड़ लिया गया है। इससे पहले 6 जनवरी को तेलंगाना के महबूबनगर स्थित बालानगर चौरास्ता में भीषण सड़क हादसा हुआ था। इसमें पांच लोगों की मौत हो गई। दरअसल, एक तेज रफ्तार लॉरी ने एक ऑटोरिक्शा को टक्कर मार दी थी। इस ऑटोरिक्शान में 6 यात्री सवार थे। सड़क हादसा इतना जबरदस्त था कि एक शिशु समेत पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

हैदराबाद। तेलंगाना के नलगोंडा जिले में एक कार की तेज रफ्तार से आ रही लॉरी से टक्कर हो गई। इस सड़क हादसे में दो बच्चों समेत एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई।

वहीं, एक अन्य को गंभीर चोटें आईं है। पुलिस ने सोमवार को इसकी जानकारी दी।

दुर्घटना उस समय हुई जब परिवार के सभी सदस्य पड़ोसी आंध्र प्रदेश की यात्रा के बाद रविवार देर रात एक कार से अपने गांव लौट रहे थे।

पुलिस के अनुसार, जिले के मिर्यालगुडा के पास हाइवे पर विपरीत दिशा से आ रही लॉरी ने कार को टक्कर मार दी।

उन्होंने बताया कि कार के चालक ने कुत्ते से टकराने से बचने की कोशिश की लेकिन कार हाइवे के दूसरी ओर जा गिरी।

सुप्रीम कोर्ट से आंध्र सरकार को झटका

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अमरावती इनर रिंग रोड घोटाला मामले में टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू को बड़ी राहत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने चंद्रबाबू नायडू को दी गई अग्रिम जमानत को चुनौती देने वाली आंध्र प्रदेश सरकार की याचिका को खारिज कर दिया है। जज संजीव खाना और जज दीपांकर दत्ता की पीठ ने आंध्र प्रदेश सरकार की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने चंद्रबाबू नायडू को राहत राहत देने वाले 10 जनवरी के हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी। पीठ ने कहा कि अन्य आरोपियों से जुड़ी उसी स्कैम के मामले में अपील को पिछले साल अदालत ने खारिज कर दिया था। पीठ ने कहा कि अदालत द्वारा पारित पहले के आदेश को देखते हुए पीठ राज्य सरकार की अपील पर विचार करने की इच्छुक नहीं है।

उच्च शिक्षण संस्थानों में आरक्षण खत्म करने की चल रही है साजिश : राहुल

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि उच्च शिक्षण संस्थानों में अनुसूचित जाति, जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग को नौकरियों में मिलने वाले आरक्षण को खत्म करने की साजिश चल रही है और कांग्रेस कभी ऐसा नहीं होने देगी। गांधी ने सोमवार को एक्स पर पोस्ट कर कहा, यूजीसी के नए ड्राफ्ट में उच्च शिक्षा संस्थानों में एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग को मिलने वाले आरक्षण को खत्म करने की साजिश हो रही है। आज 45 केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में लगभग 7,000 आरक्षित पदों में से 3,000 रिक्त हैं और जिनमें सिर्फ 7.1 प्रतिशत दलित, 1.6 प्रतिशत आदिवासी और 4.5 प्रतिशत पिछड़े वर्ग के प्रोफेसर हैं। आरक्षण की समीक्षा तक की बात कर चुकी भाजपा आरएसएस अब ऐसे उच्च शिक्षा संस्थानों में से वंचित वर्ग के हिस्से की नौकरियां छीनना चाहती है।

सड़क हादसा — हादसा बाइक सवार को बचाने के दौरान हुआ

एमपी : सड़क हादसे में तीन बच्चों की मौत, 42 लोग घायल

छतरपुर। छतरपुर जिले के बक्सवाहा में तेज रफ्तार में ट्रैक्टर-ट्रॉली चला रहे ड्राइवर ने अचानक ब्रेक लगा दिए। इससे ट्रॉली में सवार लोग उछलकर बाहर फिंका गए। हादसा बाइक सवार को बचाने के दौरान हुआ। इसमें तीन बच्चों की मौत हो गई। जबकि 42 लोग घायल हो गए।

ये सभी एक ही परिवार से हैं। नए ट्रैक्टर के पूजन के लिए बिजावर के जटाशंकर धाम जा रहे थे। हादसे में नम्रता लोधी (15), रवि लोधी (10) और दिव्यांशी लोधी (5) की जान चली गई है। 7 लोगों को बिजावर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, गंभीर रूप से घायल 35 लोगों को

छतरपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दरअसल, जुझारपुरा के लोधी परिवार ने एक दिन पहले ही नया ट्रैक्टर खरीदा था। परिवार के लोग नए ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर पूजन के लिए जटाशंकर धाम जाने के लिए निकले थे। नारायण लोधी तेज रफ्तार में ट्रैक्टर चला रहा था। इसी दौरान अचानक एक बाइक सामने आ गई। बाइक सवार को बचाने के लिए उसने ढलान में तेजी से दौड़ रहे ट्रैक्टर के ब्रेक लगा दिए। इससे झटका लगा और ट्रॉली में बैठे लोग बाहर फिंका गए।

स्थानीय लोगों ने की घायलों की मदद

हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी और घायलों की मदद की। सूचना मिलने के बाद बिजावर एसडीओपी शशांक जैन और बिजावर थाना प्रभारी जयवंत काकोड़िया बल के साथ मौके पर पहुंचे। सभी घायलों को एंबुलेंस और पुलिस के वाहन से बिजावर अस्पताल पहुंचाया गया। यहां से 35 गंभीर घायलों को प्राथमिक इलाज के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

घायलों में ये शामिल

गुलाब बाई लोधी (56), भरत लोधी, हरिराम लोधी, नारायण लोधी, हल्के लोधी, नारायण लोधी, महेन्द्र लोधी, जानकी, मीरा, राजकुमारी, लक्ष्मी, प्रदीप लोधी, हर्षित, हिमांशु, मोहित, रागनी, विद्या, रजनी, पूजा, आरती, कृष्णा, माया, चांदनी, सविता, रक्षा, एक साल की भावना, चंदू और क्रांति। सूचना के बाद कलेक्टर संदीप जीआर भी जिला अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घायलों से मुलाकात की और डॉक्टरों को बेहतर इलाज करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने डीडीआरसी और रेडक्रॉस टीमों के साथ तीन डिप्टी कलेक्टरों को यहां की जिम्मेदारी सौंपी।

एसडीएम बोले- अचानक ब्रेक लगाने से ट्रॉली लहराई

बिजावर एसडीएम विजय द्विवेदी ने बताया कि ट्रैक्टर के ड्राइवर ने सामने से आ रही बाइक को बचाने में तेज गति से दौड़ रहे ट्रैक्टर में अचानक ब्रेक लगा दिए। ब्रेक लगते ही ट्रैक्टर-ट्रॉली लहरा गई और उसमें सवार लोग दूर जा फिंकाए। हादसे में तीन की मौत हो गई।

राज्यसभा की 56 सीटों के लिए 27 फरवरी को चुनाव

एजेंसी

नयी दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने राज्यसभा की 56 सीटों के लिए 27 फरवरी को चुनाव कराने की घोषणा की है। निर्वाचन आयोग ने कहा है कि 15 राज्यों से राज्यसभा के 56 सदस्यों का कार्यकाल आगामी अप्रैल में समाप्त हो रहा है।

आयोग ने इन सीटों के लिए चुनाव कार्यक्रम की सोमवार को घोषणा कर दी। चुनाव के लिए अधिसूचना 8 फरवरी को की जायेगी।

नामांकन 15 फरवरी तक दायर किये जा सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 16 फरवरी को की जायेगी और नाम वापस लेने का अंतिम दिन 20 फरवरी को होगा।

आयोग के अनुसार मतदान 27 फरवरी को सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक होगा। मतों की गिनती 27 फरवरी को ही शाम पांच बजे की जायेगी।

आयोग ने कहा है कि उत्तर प्रदेश की 10, बिहार और महाराष्ट्र की 6-6, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश की 5-5, गुजरात और कर्नाटक की 4-4, आन्ध्र प्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना और ओडिशा की 3-3, छत्तीसगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड की एक-एक सीट के लिए चुनाव होगा।

नौकरी के बदले जमीन मामले में ईडी ने लालू से की 10 घंटे पूछताछ

पटना। राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद यादव से सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय ने नौकरी के बदले जमीन मामले में करीब दस घंटे तक पूछताछ की। नौकरी के बदले जमीन मामले में ईडी के समन के बाद श्री यादव पूर्वाह्न 11 बजे पटना स्थित ईडी कार्यालय पहुंचे। उनके साथ उनकी बड़ी बेटी और राजद की राज्यसभा सदस्य मीसा भारती भी थीं, लेकिन उन्हें ईडी कार्यालय परिसर के अंदर प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी गई। इसके बाद वह ईडी कार्यालय के बाहर ही डटी रहीं। यादव करीब 9 बजे पूछताछ खत्म होने के बाद ईडी कार्यालय से बाहर निकले तब उनके समर्थकों ने उनके

पक्ष में खूब नारे लगाए। इससे पहले भी जब ईडी कार्यालय में लालू प्रसाद यादव से पूछताछ हो रही थी, तब बाहर यादव के समर्थक उनके पक्ष में नारी लग रहे थे। इसी दौरान यादव की बेटी मीसा भारती नारे लगा रहे लोगों से शांत रहने की अपील भी की, लेकिन इसका बहुत ज्यादा असर लालू समर्थकों पर नहीं हुआ। सूत्रों के अनुसार, ईडी ने यादव से नौकरी के बदले जमीन घोटाले के मामले में करीब 50 सवाल पूछे, जिसमें से अधिकांश का जवाब यादव ने हां और ना में ही दिया। कल इसी मामले में यादव के पुत्र और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव से भी पूछताछ होनी है। नौकरी के बदले जमीन घोटाले से जुड़े मामले की जांच ईडी कर रही है। आरोप के अनुसार, यादव ने वर्ष 2004 से 2009 तक केंद्र में कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील सरकार के शासनकाल के दौरान रेल मंत्री रहते हुए ग्रुप डी श्रेणी में उम्मीदवारों को दी गई नौकरियों के बदले में अपने परिवार के सदस्यों के नाम पर भूखंडों का निबंधन कराया था।

बुलेट ट्रेन प्रणाली में लगेंगे 28 सिस्मोमीटर

नयी दिल्ली। अहमदाबाद से मुंबई के बीच निर्माणाधीन देश की पहली हाईस्पीड रेलवे प्रणाली में सुरक्षा के लिए भूकंपमापी उपकरण लगाये जाने का फैसला हुआ है।

राष्ट्रीय हाईस्पीड रेल निगम के अनुसार इस पूरी 507 किलोमीटर की लाइन में 28 भूकंपमापी यंत्र लगाये जाएंगे जो आरंभिक भूकंपीय हलचलों को भांप कर ट्रेन के कंट्रोल रूम को सचेत कर देंगे और जरूरत पड़ने पर ट्रेनों को तुरंत रोक दिया जाएगा। इस प्रकार से भूकंप से यात्रियों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकेगी। जापानी शिंकानसेन तकनीक पर आधारित यह प्रारंभिक भूकंप जांच प्रणाली, प्राथमिक तरंगों के माध्यम से भूकंप-प्रेरित झटकों का पता लगाएगी और स्वचालित बिजली प्रवाह को बंद कर देगी। बिजली बंद होने का पता चलने पर आपातकालीन ब्रेक सक्रिय हो जाएंगे और प्रभावित क्षेत्र में चलने वाली ट्रेनें रुक जाएंगी।

रेलगाड़ियों की लेटलतीफी

विडंबना यह है कि जब ट्रेनों के परिचालन से जुड़ी समस्या गहराने लगती है और इससे जुड़े सवाल तूल पकड़ने लगते हैं, तब सरकार या रेल महकमे की ओर से इसके हल के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल और अन्य उपाय करने की बात कही जाती है। मगर कुछ समय बाद फिर आने वाली ऐसी शिकायतें बताती हैं कि आश्वासनों पर अमल की हकीकत क्या है।

हाल के दिनों में ट्रेनों की लेटलतीफी, इसके परिचालन में अव्यवस्था और आए दिन होने वाले हादसों से फिर यही सवाल उठा है कि आधुनिकीकरण और अंतरराष्ट्रीय स्तर की सेवा मुहैया कराने के दावे के बरक्स भारतीय रेल कहां है। फिलहाल हालत यह है कि राजधानी दिल्ली से खुलने वाली ट्रेनें समय से नहीं खुल पा रही हैं और कई-कई घंटे देरी से चल रही हैं। राजधानी एक्सप्रेस जैसी गाड़ियां भी पंद्रह-सोलह या इससे भी ज्यादा देरी से अपने गंतव्य पर पहुंचीं। यह माना जा सकता है कि बीते कुछ दिनों से घना कोहरा छाए रहने की वजह से ट्रेनों का परिचालन बाधित हुआ है, लेकिन अगर इसके अलावा भी सभी स्तरों पर अव्यवस्था दिख रही हो, तब इसके लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाएगा।

ऐसी शिकायतों का स्पष्टीकरण प्राकृतिक कारण के रूप में नहीं दिया जा सकता कि यात्रियों के सामने खानपान की मुश्किल पैदा हो रही और ट्रेनों में साफ-सफाई अव्यवस्था का शिकार है। ऐसे में लंबी यात्रा कर रहे लोगों और उनके परिवारों और बच्चों के सामने कैसी समस्या पैदा हो रही होगी, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है।

मौसम की वजह से उपजी मुश्किल एक पहलू जरूर है, लेकिन व्यवस्थागत रूप से प्रबंधन बेहतर हो, तो समस्या और असुविधा कम की जा सकती है। इस मामले में रेलवे में बहुस्तरीय कमी साफ देखी जा सकती है। कहने को बीते कुछ वर्षों में कोहरे के दौरान भी ट्रेनों के परिचालन को सामान्य बनाए रखने के लिए 'फाग सेफ डिवाइस' यानी कोहरा-रोधी यंत्र के इस्तेमाल की बात कही गई, मगर आज भी अगर गाड़ियां अपने निर्धारित समय से पंद्रह-सोलह या बीस घंटे देरी से चल रही हैं तो इसकी क्या वजह है? क्या ये यंत्र वास्तव में उपयोगी नहीं हैं या फिर ट्रेनों में इसे लगाने और उचित इस्तेमाल को लेकर प्रबंधन के स्तर पर कोई कमी है?

डुविडंबना यह है कि जब ट्रेनों के परिचालन से जुड़ी समस्या गहराने लगती है और इससे जुड़े सवाल तूल पकड़ने लगते हैं, तब सरकार या रेल महकमे की ओर से इसके हल के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल और अन्य उपाय करने की बात कही जाती है। मगर कुछ समय बाद फिर आने वाली ऐसी शिकायतें बताती हैं कि आश्वासनों पर अमल की हकीकत क्या है।

पिछले कुछ सालों में पटरियों और डिब्बों की गुणवत्ता में सुधार से लेकर रेलवे के बुनियादी ढांचे के विकास के मामले में तेज आधुनिकीकरण करने का दावा किया गया है।

ट्रेनों को हादसे से बचाने के लिए 'कवच प्रणाली' के सफल परीक्षण की खबरें भी आईं। तेज रफ्तार और आधुनिक तकनीक के साथ अन्य सुविधाओं से लैस ट्रेनों के संचालन की शुरुआत लोगों के बीच उम्मीद जगाने के लिहाज से अच्छी बातें हैं। मगर पिछले कुछ समय के दौरान लगातार ट्रेनों के पटरियों से उतरने की घटनाएं जिस तरह आम हो गई हैं, कई बड़े हादसे सामने आए, वे बताते हैं कि केवल संसाधनों के स्तर पर कमी को दूर करने के दावे से सेवा की गुणवत्ता में सुधार लाना संभव नहीं है।

प्रबंधन के मामले में जब तक कोताही या लापरवाही बरती जाएगी, तब तक यात्रियों को बेहतरीन सुविधा मुहैया कराने की बातें बेमानी ही रहेंगी। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि ट्रेन यात्रा आज लगातार महंगी होती जा रही है और साधारण लोगों के लिए उसमें जगह सिमट रही है। त्योहारों के मौके पर रेलवे स्टेशनों पर जितनी बड़ी तादाद में लोग अपने गांव-घर जाने के लिए जमा होते हैं, उससे पता चलता है कि जरूरत के मुकाबले ट्रेन सुविधाओं की हालत क्या है।

ममता और नीतीश के बाद अब कांग्रेस को झटका देने की तैयारी में नजर आ रहे हैं अखिलेश यादव

अजय कुमार

अखिलेश यादव कई बार इंडिया गठबंधन में कांग्रेस की भूमिका को लेकर अपनी निराशा जाहिर कर चुके हैं। उन्होंने साफ कह दिया कि नीतीश की पहल पर ये गठबंधन बना था लेकिन कांग्रेस ने इसे लेकर कोई तत्परता नहीं दिखाई।

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा था कि वह जनवरी के अंत तक गठबंधन में सीटों का बंटवारा कर देंगे। अखिलेश ने ऐसा किया भी। गत सप्ताह के अंत में उन्होंने एक्स पर पोस्ट करके कहा कि कांग्रेस को 11 सीटें देने के साथ समझौता हो गया है, लेकिन इसके तत्काल बाद ही कांग्रेस की प्रतिक्रिया आई और उसने साफ कह दिया कि वह इतनी सीटों पर राजी नहीं है। अब आगे क्या होगा, यह भी जल्द तय हो जायेगा। यदि कांग्रेस इतने पर नहीं मानी तो यूपी में भी इंडी गठबंधन टूट सकता है। गौरतलब है कि भारतीय जनता पार्टी को सत्ता से बाहर करने के लिए बना इंडी गठबंधन उत्तर भारत में हासिये पर पहुंच गया है। पश्चिम बंगाल और बिहार में इंडी गठबंधन की 'रीढ़' टूट चुकी है।

आम आदमी पार्टी का रुख भी पंजाब को लेकर ऐसा ही नजर आ रहा है। अब बस उत्तर प्रदेश बचा है, लेकिन यहां भी हालात बहुत अच्छे नहीं हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी कांग्रेस के ढुलमुल रवैये से असहज महसूस कर रहे हैं। वहीं बसपा तो बाहर थी ही।

बात जयंत चौधरी की पार्टी राष्ट्रीय लोकदल की कि जाये तो अखिलेश ने उन्हें पश्चिमी उत्तर प्रदेश की सात लोकसभा सीटें समझौते के तहत दे दी हैं। इसी के साथ समाजवादी पार्टी ने अपने हिस्से की भी करीब-करीब सभी सीटों पर अपने प्रत्याशियों की तलाश तेज कर दी है। कुछ सीटों पर उम्मीदवार तय भी हो गये हैं। इंडी गठबंधन का हाल यह है कि यूपी में समाजवादी पार्टी ने राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा से किनारा करके पीडीए यात्रा चला रखी है। उन्हें लगता है कि पीडीए ही एनडीए को हराएगी। हालात यह हैं कि समाजवादी पार्टी ने यहां तक घोषणा कर दी है कि राहुल गांधी की न्याय यात्रा के उत्तर प्रदेश से गुजरने के दौरान पार्टी नेता उसमें शिरकत नहीं करेंगे।

अखिलेश की बातों से लग रहा है कि वह भी नीतीश कुमार और ममता बनर्जी की तरह इंडी गठबंधन से दूरी बनाने का फैसला कभी भी ले सकते हैं, लेकिन अखिलेश ने अभी तक इंडी गठबंधन के खिलाफ मुंह नहीं खोला है।

अखिलेश यादव यह जरूर कह रहे हैं कि कांग्रेस को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। ममता बनर्जी को मनाएं और साथ में लें।

साथ ही छोटे-छोटे दलों को भी साथ में रखें। नीतीश के इंडी गठबंधन से बाहर जाने से अखिलेश थोड़ा असहज जरूर हैं, लेकिन उनके पारिवारिक संबंध लालू के परिवार से होने के कारण वह (अखिलेश) नीतीश के साथ खड़ा नजर नहीं आना चाहते हैं। परंतु ममता बनर्जी का इंडी गठबंधन से दूरी बनाना अखिलेश को बिल्कुल भी रास नहीं आ रहा है। इसकी वजह ममता बनर्जी और अखिलेश के बीच अच्छी कैमिस्ट्री होना है।

दरअसल, अखिलेश यादव कई बार इंडिया गठबंधन में कांग्रेस की भूमिका को लेकर अपनी निराशा जाहिर कर चुके हैं।

उन्होंने साफ कह दिया कि नीतीश की पहल पर ये गठबंधन बना था लेकिन कांग्रेस ने इसे लेकर कोई तत्परता नहीं दिखाई। अगर नीतीश इंडिया गठबंधन में रहते तो प्रधानमंत्री बन सकते थे। गौरतलब है कि इंडिया गठबंधन का जब ऐलान हुआ तो यूपी से राष्ट्रीय लोकदल के साथ समाजवादी पार्टी इसमें शामिल हुई थी, लेकिन समय बीतने के साथ कांग्रेस और अखिलेश यादव के रिश्ते बिगड़ते गए। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ चुनावों में सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस और सपा के बीच तनातनी सब ने देखी थी।

बात लोकसभा चुनाव की कि जाये तो चुनाव में अब तीन महीने का समय बचा है लेकिन लोकसभा चुनाव को लेकर उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन में सीट शेयरिंग फार्मूला भी तय नहीं हो पा रहा है।

दरअसल कांग्रेस चाहती है कि यूपी में 2009 के उसके प्रदर्शन के आधार पर उसे सीटें दी जाएं, जबकि अखिलेश इस पर राजी नहीं हैं। सपा की तरफ से पहले ही संदेश दिया जा चुका है कि यूपी में वह ही प्रमुख विपक्षी पार्टी है और जो भी सीटें दी जाएंगीं, वह उसे अपने पास से ही देगी। दूसरी तरफ यूपी कांग्रेस का रुख भी समाजवादी पार्टी से अलग अपनी राह बनाने का दिख रहा है।

वह सपा के कंधे पर रख कर बंदूक चलाना चाहती है। हाल यह है कि एक तरफ कांग्रेस में प्रदेश भर में यात्राएं कर जनाधार मजबूत करने की कवायद चल रही है, वहीं दूसरी तरफ अयोध्या में सरयू स्नान के जरिये भी संदेश देने की कोशिश की गयी। वहीं सपा और कांग्रेस के बीच एक-दूसरे के लिए तल्ख बयानबाजी भी सामने आ रही है। पार्टी के नेताओं द्वारा कांग्रेस की नीयत पर सवाल उठाये जा रहे हैं, हालांकि अखिलेश यादव सीधे-सीधे कुछ भी कहने से बचते रहे हैं।

कुल मिलाकर अखिलेश यादव ने इंडिया गठबंधन की ताजा स्थिति का लेकर कांग्रेस को ही कठघरे में खड़ा किया है।

उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार की पहल पर भी गठबंधन को बनाया गया था, लेकिन पहली बैठक में ही कांग्रेस ज्यादा तत्पर नहीं दिखी। हालांकि अखिलेश यादव ने ये भी साफ कर दिया है कि वह प्रधानमंत्री पद की रेस में नहीं हैं, लेकिन यूपी में कांग्रेस के राहुल गांधी के साथ वह प्रचार करेंगे या नहीं इस पर उन्होंने बात समय पर छोड़ दी है। बात यूपी में गठबंधन की सियासत की करते हुए पिछले कुछ वर्षों में लोकसभा और विधानसभा चुनावों पर नजर डालें तो साफ दिखता है कि यूपी में बीजेपी के खिलाफ गठबंधन होता रहता है। कभी कांग्रेस-सपा हाथ मिलाते हैं तो कभी पुरानी दुश्मनी भूलकर माया-अखिलेश एक हो जाते हैं। बात आगामी लोकसभा चुनाव के लिए इंडी गठबंधन की कि जाये तो अखिलेश के कांग्रेस के साथ आने से कांग्रेस को ही फायदा होगा। वर्तमान में सिर्फ रायबरेली की ही सीट कांग्रेस के पास है।

समाजवादी पार्टी से सीट शेयरिंग होती है तो कहीं न कहीं कांग्रेस को उसके वोट बैंक का लाभ मिलेगा। वहीं अगर गठबंधन नहीं होता है तो कांग्रेस के लिए राहें आसान नहीं हैं। जमीन पर संगठन की उपस्थिति न के बराबर है। कांग्रेस के पास नेताओं की भी कमी है।

उधर, भाजपा का संगठन इस समय सबसे मजबूत स्थिति में है। रायबरेली में भी इस बार कांग्रेस के लिए आसान मुकाबला होने नहीं जा रहा। वहीं बसपा भी बेहद कमजोर स्थिति में है। सपा के साथ गठबंधन के चलते ही वह 2019 में 10 सीटें जीत सकी थी। बसपा का हाल ये है कि उसका विधानसभा में सिर्फ एक विधायक है। मुस्लिम मतदाता पिछले विधानसभा चुनावों में अपना रुख स्पष्ट कर चुके हैं कि वह सपा के ही साथ हैं।

ऐसे में सीट शेयरिंग की कमान अखिलेश यादव के पास ही है। खैर, समय और जरूरत के हिसाब से राजनेताओं को अपना चाल-चरित्र-चेहरा बदलते हुए देखना भले ही देश की जनता को अच्छा नहीं लगता हो, लेकिन नेताओं को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। वह जानते हैं कि जनता की याद्दाश्त काफी कमजोर होती है, वह कोई बात ज्यादा समय तक याद नहीं रखती है। इसी का फायदा हमारे नेता उठाते हैं। आज की तारीख में आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली के मुख्यमंत्री इसकी सबसे बड़ी मिसाल हैं।

जनता दल युनाइटेड के नेता और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को तो पलटूराम तक की संज्ञा दी जाती है। इस कड़ी में समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव का नाम भी अनदेखा नहीं किया जा सकता है। आज समाजवादी नेता भले राम नाम की माला जप रहे हों, लेकिन उनकी पार्टी का दामन कारसेवकों के खून से सना है, यह बात भी भूली नहीं जा सकती है। अखिलेश की सियासत भी ऐसे ही नजर आ रही है जिसको लेकर बीजेपी तो उन पर हमलावर है ही, सपा के साथ खड़े दलों के नेता भी अखिलेश को आईना दिखा रहे हैं।

बिहार में सियासी उलटफेर

राजद के साथ मिल कर सरकार बनाने के बाद नीतीश कुमार ने निस्संदेह कई महत्त्वपूर्ण काम किए, जिसकी पूरे देश में सराहना हुई। उन्होंने जाति जनगणना कराया, खाली पदों पर त्वरित ढंग से भर्तियां कराईं। इस तरह नीतीश कुमार सरकार पर वहां के लोगों में भरोसा मजबूत हुआ। मगर अब उनके ताजा फैसले से निराशा नजर आने लगी है। भाजपा के साथ मिल कर वे सरकार तो चला लेंगे, मगर प्रदेश के लोगों का भरोसा कितना जीत पाएंगे, देखने की बात होगी।

कहते हैं, गठबंधन की सरकार चलाना तनी हुई रस्सी पर चलने जैसा होता है। इसलिए कई बार राजनीतिक दलों को अपने घोषित सिद्धांतों से समझौता भी करना पड़ता है। मगर जिस तरह बिहार में सियासी उलट-फेर हुआ है, वह विचित्र है। नीतीश कुमार ने एक बार फिर राष्ट्रीय जनता दल से नाता तोड़ कर भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया है। फिर वे उसी भाजपा के साथ मिल कर सरकार बना रहे हैं, जिससे सत्रह महीने पहले नाता तोड़ते हुए कहा था कि भाजपा के साथ जाना उनके जीवन की सबसे बड़ी भूल थी। तब उन्होंने यह संकल्प भी दोहराया था कि चाहे उनकी जान चली जाए, पर वे भाजपा के साथ नहीं जाएंगे। मगर सत्रह महीने बाद फिर उसके साथ हो लिए।

राजनीतिक गठबंधन में मतभेद कोई नई बात नहीं, मगर राजद के साथ उनके क्या ऐसे मतभेद थे, जिसकी वजह से उन्होंने उससे अलग होने का फैसला किया, यह कई लोगों के लिए रहस्य बना हुआ है। दरअसल, राजद के साथ उनकी पार्टी के संबंध बिल्कुल सहज और सामान्य ही दिख रहे थे। नीतीश कुमार के इस तरह पाला बदलने से निश्चय ही अगर किसी को फायदा हुआ है, तो वह है भाजपा। आम चुनाव नजदीक हैं और बिहार में भाजपा के लिए कठिन चुनौती मानी जा रही थी, वह चुनौती अब आसान हो जाएगी।

सबसे बड़ी बात कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में नीतीश कुमार की सक्रियता से भी भाजपा को मुश्किलें पेश आ रही थीं। यह गठबंधन चूंकि नीतीश कुमार की पहल पर ही बना था, माना जा रहा था कि अगले लोकसभा चुनाव में यह भाजपा को टक्कर दे सकता है। नीतीश कुमार के भाजपा से हाथ मिला लेने के बाद वह गठबंधन कुछ और कमजोर हो गया है। ममता बनर्जी और आम आदमी पार्टी सीट बंटवारे को लेकर पहले ही अपना एतराज जता और स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ने का फैसला सुना चुके हैं। इस तरह यह भाजपा की दूसरी बड़ी कामयाबी कही जा सकती है।

हालांकि नीतीश कुमार के पाला बदलने की अटकलें कई दिन पहले से लगाई जा रही थीं, मगर राजद के साथ उनके मनमुटाव की वजहें स्पष्ट नहीं थीं। नीतीश कुमार ने इतना भर कहा है कि उनके लोग दिन-रात मेहनत करके काम कर रहे थे और श्रेय दूसरे लोग ले जा रहे थे, इसलिए उनकी पार्टी में इसे लेकर नाराजगी थी। मगर भाजपा के साथ उन्हें अब कोई मुश्किल नहीं आएगी, इसका दावा वे शायद ही कर पाएं, क्योंकि उससे अलग होते समय भी नीतीश कुमार ने यही तर्क दिया था।

राजद के साथ मिल कर सरकार बनाने के बाद नीतीश कुमार ने निस्संदेह कई महत्त्वपूर्ण काम किए, जिसकी पूरे देश में सराहना हुई। उन्होंने जाति जनगणना कराया, खाली पदों पर त्वरित ढंग से भर्तियां कराईं। इस तरह नीतीश कुमार सरकार पर वहां के लोगों में भरोसा मजबूत हुआ। मगर अब उनके ताजा फैसले से निराशा नजर आने लगी है। भाजपा के साथ मिल कर वे सरकार तो चला लेंगे, मगर प्रदेश के लोगों का भरोसा कितना जीत पाएंगे, देखने की बात होगी। पिछले विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी को खासा नुकसान उठाना पड़ा था। अब जब आम चुनाव नजदीक हैं, भाजपा के साथ जाकर वे उस नुकसान की कितनी भरपाई कर पाएंगे, कहना मुश्किल है। भाजपा से अलग होकर उन्होंने राजद का हाथ पकड़ा था, तो उनकी काफी सराहना हुई थी। अब उनकी साख इस बात पर निर्भर करेगी कि नई गठबंधन सरकार में वे कितने जन कल्याणकारी फैसले करते हैं।

टाईम पास

काकुरो पहेली - 3079

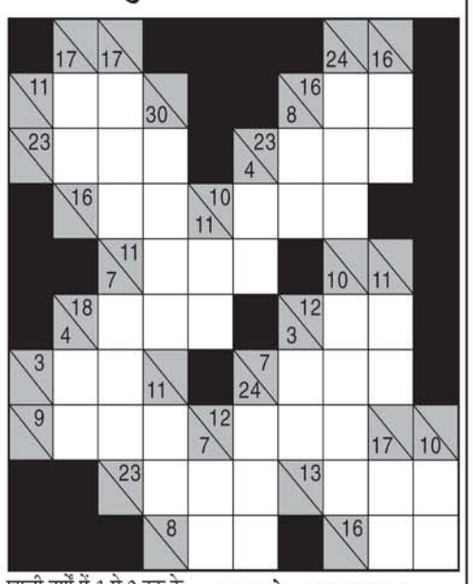

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

काकुरो - 3078 का हल

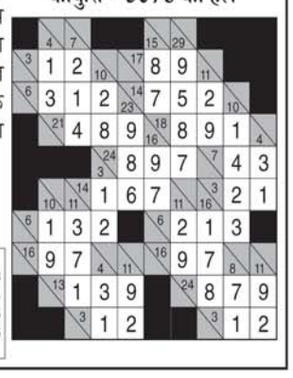

हंसी के फव्वारें

क्या तुम मुझसे प्रेम करते हो? इसमें भी कोई सन्देह है.

'तो क्या तुम मेरे लिए मर भी सकते हो?'

'नहीं प्रिय यह मेरा अमर प्रेम है.'

□ □ □

एक कुंवारी और कुंवारा घूम रहे थे कि तभी कुंवारी को जोर से खांसी आ गई, कुंवारा बोला-प्रिय तुम्हारे गले के लिए कुछ ले लूं क्या?

हां, वह मोतियों का हार जो सामने की दुकान पर है, कुंवारी बोली.

□ □ □

भगवान से सबकी रक्षा की विनती कर चुकने पर छोटे से मोहन ने कहा-मेहरबानी करके अपनी रक्षा भी करना यदि तुम्हें कुछ हो गया तो हमारा तो नाश हो जायेगा.

□ □ □

मरीज: डॉक्टर साहब, मुझे कब तक कड़वी दवा खानी पड़ेगी?

डॉक्टर: जब तक मेरा बिल अदा न कर दोगे.

□ □ □

टिकटचेकर: बच्चा, टिकट दिखाओ.

साधु: हम तो साधु हैं, हमें टिकटों से क्या लेना-देना.

टिकटचेकर: तो क्या जिन्होंने टिकट ले रखे हैं वे सब क्या चोर-उचक्के हैं?

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3079

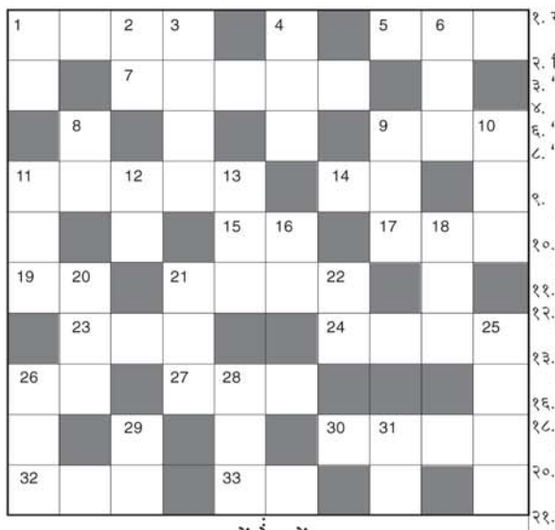

बायें से दायें:-

१. अजय, सुनील शेट्टी, प्रियंका, दीया की 'जाना नहीं था' गीत वाली फिल्म-२,२
५. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना की 'मेरा दिल जिस' गीत वाली फिल्म-३
७. 'चाँद को क्या मालूम' गीत वाली पृथ्वीराज, शेख मुख्तार की फिल्म-२,३
९. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'मुसाफिर जाने वाले' गीत वाली फिल्म-३
११. 'जाओ जाओ हमसे क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ अमृतासिंह की फिल्म-२,३
१४. राजेश खन्ना, बबीता की 'अकेले हैं चले आओ' गीत वाली फिल्म-२
१५. गुड्डू धनोआ निर्देशित इमरान खान, शाहबाज खान, तब्बू की फिल्म-२
१७. करण दीवान, वैजयंतीमाला की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'तुम मुझे भूल भी जाओ' गीत वाली सुनीलदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-२
२१. जीतेंद्र, रेखा की 'गाँव में होते हँसते रोते' गीत वाली फिल्म-४
२३. प्रकाश झा निर्देशित मनोहरसिंह, अन्नूकपूर, सरला, दीप्ति नवल की फिल्म-३
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की 'जिक्र होता है जब कयामत का' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. 'दिल में जागी धड़कन ऐसे' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
२७. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
३०. फिल्म 'जबर्दस्त' में सनी देओल के साथ नायिक कौन थी-४
३२. जैकी, अमरीश, डिम्पल की 'हम न समझे थे' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज वाजपेयी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. रानी ने इसमें अंधी एवं गूंगी-बहरी लड़की की भूमिका की है-२
२. फिरोज, संजय खान, मुमताज की फिल्म-२
३. 'आज गालो मुस्करालो' गीत वाली फिल्म-४
४. शम्मीकपूर, सायरा की एक फिल्म-३
६. 'सनम तुम हम पे मरते' गीत वाली फिल्म-३
८. 'मैं तुझसे मिलने आई' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-२
९. धर्मेन्द्र, रेखा की 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'संसार है एक नदिया' गीत वाली विनोद मेहरा, डैनी, मौसमी चटर्जी की फिल्म-३
११. 'तुम तो परदेसी हो' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'ना सतरा से ऊपर ना सोला से कम' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-२
१३. अशोककुमार, मधुबाला की 'आयेगा आने वाला' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-२
१८. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता भट्ट की 'अब घर आजा' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'गोरी कैंवारी सी हसीना का' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-३
२१. शाहरूख, मनीषा, प्रीति की फिल्म-२,१
२२. फिल्म 'आरम्भ' में राकेश के साथ नायिका-२
२५. राजनीकांत, पद्मिनी, विजेयता की फिल्म-४
२६. 'ऐ यार सुन यारी' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूरस रेखा, परवीन बाबी की फिल्म-३
२८. शॉवरअली, तरूण, मेघना नायडू कौफिल्म-३
२९. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
३१. ऋतिक रोशन, करीना कपूर की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3078

बा	ग	बा	न	■	खु	■	स	ल	मा
गी	■	द	■	आ	शी	र्वा	द	■	लि
■	स	ल	मा	न	■	■	मा	शू	क
खौ	फ	■	या	■	वा	दा	■	ल	■
■	र	न	■	पा	प	■	भू	■	प
का	■	या	दे	■	स	पू	त	■	ग
म	नो	ज	■	जीं	■	र्णि	■	छा	या
चो	■	मा	चि	स	■	मा	ला	■	ध
र	वी	ना	■	■	ब्लै	■	ड़	■	न
■	रू	■	न	म	क	ह	ला	ल	■

सूडोकु -3079

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3078 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्द पहेली - 3079

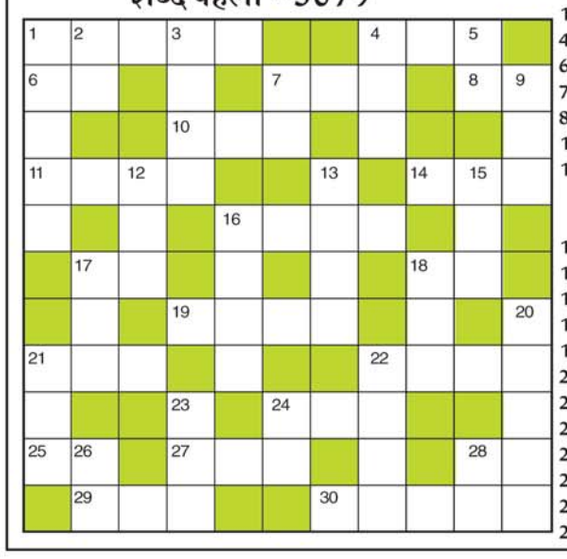

बाएँ से दाएँ

1. हाईकमान-5
4. बुशर्ट,शर्ट-3
6. लाख,गोंद-2
7. प्रतिज्ञा-3
8. मां का भाई-2
10. धनवान,रईस-3
11. मरने के बाद शरीर को परीक्षण के लिये दान करना-4
14. जिज्ञासा,उत्साह-3
16. अनगिनत-4
17. वर्ष,बरस-2
18. लय,स्वर-2
19. गदर,बलवा-4
21. ईर्ष्या-3
22. गरुर,घमंड-4
24. राजा,सम्राट-3
25. पानी से सराबोर-2
27. व्यर्थ,फिजूल-3
28. चतुर्थ,चौथा-2
29. बहने का भाव-3
30. मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे

1. आरामदायी-5
2. एक अनमोल रत्न, दुलारा-2
3. सेवा शुल्क-4
4. अभिव्यक्ति-3
5. बचत,जोड़-2
7. वहम-2
9. स्वामी-3
12. प्रवेश-3
13. धरोहर,थाती-4
15. तरंग,हिलोर-3
16. निरंकुश,मुंहजोर-4
17. किनारा,तट
18. कामधेनू, सुगंध-3
20. नुकसानदेह-5
21. दुनिया,जग-3
22. कहासुनी-4
23. चयन-3
24. चट्टान,शिला (अंग्रेजी-2)
26. ईश्वर,भगवान-2
28. प्रेम,लगन-2

शब्द पहेली -3078 का हल

■	बं	दा	न	वा	ज	■	आ	स	मा	न	
न	दी	■	र	■	ल	बा	दा	■	र	जा	
व	■	ज	म	ज	म	■	ब	री	■	क	
जी	म	ना	■	■	ह	ठ	■	ता	क	त	
व	■	चा	■	जे	ल	■	पे	■	ता	■	
न	ग	र	से	ठ	■	फ	ट	का	र	ना	
■	री	■	ना	■	स	ना	■	ते	■	म	
सु	ब	ह	■	दा	म	■	■	बा	री	क	
र	■	क	श	■	झ	न	का	र	■	र	
ता	प	■	प	र	दा	■	म	■	क	ण	
ल	ध	प	ध	■	र	च	ना	का	र	■	

दिल्ली से नोएडा आने वाले रास्ते को किसानों ने रोका

सांसद-विधायक का किया घेराव, सेक्टर-14 ए के सामने बैठे; कहा-मांगों पर काम क्यों नहीं हो रहा

नोएडा। नोएडा में सोमवार को सुबह से किसान इकट्ठा हुए। एनटीपीसी के खिलाफ किसानों ने जोरदार प्रदर्शन किया। इसके बाद सांसद डॉक्टर महेश शर्मा और विधायक पंकज सिंह का घेराव किया। हालांकि इसके दौरान पुलिस से किसानों की नोकझोंक हुई। धक्का-मुक्की करके किसानों ने आगे बढ़ने का प्रयास किया, मगर पुलिस की सख्ती के आगे उनकी एक न चली।

किसानों ने दिल्ली से नोएडा जाने वाले रास्ते को भी रोक दिया है। इसके बाद वो सेक्टर-14ए गेट के सामने धरने पर बैठ गए। इस दौरान सांसद ने उन्हें समझाने का प्रयास किया, लेकिन वो अपनी मांग पर अड़े हैं।

भारतीय किसान परिषद के अध्यक्ष सुखवीर खलीफा ने कहा,जिन मांगों को नोएडा प्राधिकरण बोर्ड में सहमति बन चुकी है। इसमें 10 प्रतिशत विकसित भूमि, आबादी निस्तारण इन पर सांसद भी आश्वासन दे चुके है। इसके बाद भी इन मांगों पर काम क्यों नहीं किया जा रहा।

दोपहर 2 बजे मार्च निकाला

किसान दोपहर करीब 2 बजे प्राधिकरण से पैदल मार्च निकालते हुए सांसद का घेराव करने के लिए सड़क पर आ गए।

वहीं, किसानों का एक दल नोएडा प्राधिकरण के बाहर तालाबंदी की निगरानी कर रहा है। वह किसी भी कीमत पर प्राधिकरण में काम नहीं होने दे रहे हैं।

डॉक्टर महेश शर्मा ने किसानों से कहा-आपकी दो मांग पर काम पूरा

सांसद डॉक्टर महेश शर्मा ने किसानों से कहा आपकी दो मांग 10 प्रतिशत विकसित भूमि या उसके समतुल्य मुअवाजा और 5 प्रतिशत आबादी के

भूखंड दोनों ही मांगों पर लगभग काम पूरा कर लिया गया है। प्राधिकरण के अधिकारियों से कल देररात तक वार्ता भी की गई। चूकी ये बड़ा करीब 7 से 8 हजार करोड़ का एमाउंट है।

इसे शासन से पास कराया जा रहा है। हमने तो यहा तक कहा कि दो से तीन किस्तों में राशि भेज दी जाए। ये काम आपका समझो हो गया। हालांकि तीसरी मांग आबादी विनयमितिकरण्र की 450 वर्गमीटर सीमा बढ़ाकर 1000 वर्गमीटर किया जाए इस पर बातचीत की जा रही है।

इस पर भी जैसे कोई निष्कर्ष निकलेगा बताया जाएगा। उन्होंने किसानों ने कहा कि कोई भाई दिल से मुर्दाबाद के नारे नहीं लगा रहा ये आपके अंदर का आक्रोश है। आगे आप ही हमे गले भी लगाओगे।

122 दिन से कर रहे प्रदर्शन

पैदल मार्च के दौरान ट्रैफिक को डायवर्ट किया गया है। सुखवीर खलीफा ने कहा कि ये लड़ाई करो या मरो की है। इसलिए जब तक हम अपना हक नहीं लेंगे यहां से जाने वाले नहीं है। किसानों का आरोप है डेढ़ साल पहले भी 122 दिन के प्रदर्शन में मांगों को लेकर सांसद और विधायक के सामने नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने समझौता कराया था। लेकिन एक भी मांग को पूरा नहीं किया गया।

जो समझौता अब तक अधूरा है उसे पूरा कराकर ही किसान वापस लौटेगा। वे अधिकारियों सांसद और विधायक के झूठे बहकावे में नहीं आएंगे। जिसके कारण किसानों में भारी आक्रोश है। इस घिराव में 105 गांवों के किसान शामिल होंगे।

इन मांगों पर हुआ था समझौता

1997 के बाद के सभी किसानों को बढ़ी दर से मुआवजा दिया जाए। चाहे वह कोर्ट गए हो या नहीं

किसानों को 10 प्रतिशत विकसित भूखंड दिया जाए।

आबादी जैसी है वैसी छोड़ी जाए। विनियमितीकरण की 450 वर्गमीटर सीमा को बढ़ाकर 1000 प्रति वर्गमीटर किया जाए।

भूमि उपलब्धता न होने के कारण पात्र किसानों के 5 प्रतिशत आबादी भूखंड भू लेख विभाग में नहीं रोके जाएंगे। उनका नियोजन किया जाए।

भवनों की ऊंचाई को बढ़ाए जाने की अनुमति दी जाए। क्योंकि गांवों के आसपास काफी हाइराइज इमारत है। ऐसे में उनका एरिया लो लेयिंग एरिया में आ गया है।

5 प्रतिशत विकसित भूखंड पर व्यवसायिक गतिविधियां चलने की अनुमति दी जाए।

गांवों के विकास के साथ खेल बजट का प्राविधान किया जाए।

गांवों में पुस्तकालय बनाए जाए।

बिना बिल दिए 94.61 करोड़ का पानी पी गए बिल्डर

प्राधिकरण ने जारी की टॉप-10 बिल्डरों की सूची, ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट पर चस्पा करेगा नोटिस

नोएडा। प्राधिकरण पानी के बकायादार के ऊपर सख्त हो गया है। ग्रुप हाउसिंग टॉप-10 बड़े बकायादार के खिलाफ उनके परिसरों में नोटिस चस्पा करने के निर्देश सीईओ लोकेश एम ने बैठक के दौरान दिए। उन्होंने जन खंड प्रथम, द्वितीय और तृतीय के कार्यों की समीक्षा की। बताया गया कि 2023-24 में जल राजस्व का लक्ष्य 120 करोड़ रुपए था। जिसमें इस साल 94.45 करोड़ रुपए प्राप्त किए गए। वहीं विगत कई सालों से 10 ग्रुप हाउसिंग बिल्डरों पर करीब 94.61 करोड़ का बकाया है।

सीईओ ने शहर में पानी की सप्लाई के लिए 4 निर्माणाधीन रेलीवेल जिसमें 1,2, 3 और 5 का निर्माण अप्रैल तक पूरा करने को कहा। इसके अलावा दो और रेनीवेल 4 और 6 का निर्माण तत्काल प्रभाव से शुरू कराने का निर्देश दिया गया। वहीं नोएडा में स्मार्ट मीटर योजना के तहत लगाए गए मीटर

(बल्क और घरेलू मीटर) से रोजाना प्राप्त हो रहे जल खपत को किलो लीटर में दर्शाते हुए वर्तमान में जल विभाग द्वारा प्रभावी जल राजस्व के अनुसार बिल जनरेट करते हुए जल खपत के सापेक्ष गणना की जाए।

साथ ही जिन शहरों में स्मार्ट मीटर लगे है वहां जल राजस्व का अध्ययन करते हुए योजना को लागू कराया जाए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि कोंडली ड्रेन में 24 ड्रेनों का पानी जाता है। ये पानी अब भी ब्लैक है। सभी औद्योगिक इकाइयों का सर्वे यूपीपीसीबी के साथ करते हुए नालों में छोड़े जा रहे अन ट्रीटेड वेस्ट वाली कंपनी को चिह्नित किया जाए।

नालों की साफ-सफाई के लिए बनाए गए क्रियाशील वेटलैंडों को 15 फरवरी तक अनुरक्षण कार्य पूरा कर लिया जाए।

पेयजल के हिसाब से गंगाजल परियोजना को माह मई 2024 करते हुए रेनीवेल व गंगाजल मिश्रित जला पूर्ति नोएडा शहर वासियों को सुनिश्चित किया जाए। एनजीटी के निर्देश के क्रम में तालाबों के जीर्णोद्धार शीघ्र कराने के निर्देश दिए।

पानी बिल के टॉप 10 डिफाल्टर

ग्रेनाइट गेट प्रॉपर्टी प्राइवेट लिमिटेड 23.65 करोड़

टुडे होम्स नोएडा प्राइवेट लिमिटेड 11.03 करोड़

अजनारा इंडिया लिमिटेड 6.19 करोड़

सुपरटेक (आरसी) 12.43 करोड़

सुपरटेक लिमिटेड 2.16 करोड़

लाजिक्स इंफ्रास्ट्रचर प्राइवेट लिमिटेड 2.01 करोड़

गवर्नमेंट एंड पब्लिक सेक्टर इम्प्लाए कोआपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी 1.71 करोड़

लाजिक्स सिटी डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड 17.48 करोड़

एसडीएस इंफ्रास्टेक प्राइवेट लिमिटेड 16.23 करोड़

सुपरटेक लिमिटेड 93ए 1.72 करोड़

नोएडा में गार्ड-बाउंसरों ने युवक को पीटा

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा में गार्ड और बाउंसरों ने एक रेजिडेंट को बेरहमी से पीटा। उसके पेट और चेहरे ताबड़तोड़ वार किए। वह छोड़ने की मिन्नतें करता रहा, लेकिन एक नहीं सुनी। घटना रविवार रात आम्रपाली लेजर पार्क सोसाइटी की है। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। दरअसल, रविवार रात गार्ड और बाउंसर एक डिलीवरी बॉय के साथ मारपीट कर रहे थे। यह देखकर सोसायटी में ही रहने वाले अवनीश डिलीवरी बॉय को बचाने गए। उसने गार्ड और बाउंसरों को रोकने की कोशिश की। इसके बाद गार्ड और बाउंसर भड़क गए। उन्होंने अवनीश को घेर लिया और लात-घूसों से उसे पीटना शुरू कर दिया। 5-6 की संख्या में गार्ड और बाउंसरों अवनीश पर टूट पड़े। उसे बुरी तरह पीटा। इसमें अवनीश को गंभीर चोट आई है। घटना के बाद सोसाइटी के लोग जुट गए। काफी देर तक हंगामा हुआ।

गार्डों ने डिलीवरी बॉय के साथ की मारपीट

रविवार रात डिलीवरी बॉय किसी रेजिडेंट को डिलीवरी देने के लिए आया था। मगर गार्ड्स ने उसे गेट पर ही रोक दिया। इस दौरान डिलीवरी बॉय के साथ गार्ड्स ने बदतमीजी की। फिर 2-3 बाउंसर भी आ गए। इसके बाद सभी उसके साथ मारपीट करने लगे। उस समय रेजिडेंट अवनीश कुमार टहल रहे थे। अवनीश कुमार ने बताया, यह देखकर मैं मौके पर पहुंचे। मैंने गार्ड्स-बाउंसरों को रोका। उसने डिलीवरी बॉय को पीटने के कारण पूछा। इस पर गार्ड्स भड़क गए। इसके बाद उन्होंने मेरे साथ में मारपीट करनी शुरू कर दी।

नोएडा में पुलिस के सामने पार्किंग कर्मियों से मारपीट

एजेंसी

गौतम बुद्ध नगर। नोएडा के सेक्टर-18 मार्केट में पार्किंग कर्मियों से मारपीट की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं।

नो-पार्किंग में खड़ी कार में पार्किंग कर्मियों ने लॉक लगा दिया। यह बात कार से मार्केट आए युवकों को नागवार गुजर गई। हंगामा शुरू किया तो पुलिस आ गई। लेकिन दबंगों ने पुलिस की परवाह किए बगैर पार्किंग कर्मियों को बेरहमी से सड़क पर गिराकर पीटा। यही नहीं सड़क से जा रहे राहगीरों के साथ भी मारपीट की। करीब 30 मिनट तक यह हंगामा जारी रहा। जिसकी फोटो वायरल हो रही है।

मारपीट में दो पार्किंग कर्मी चोटिल हुए, एक के मुंह से खून बहने लगा था। शिकायत पर पुलिस ने सेक्टर-20 थाने में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को शिकायत में पार्किंग कर्मी जतिन गिरी ने मारपीट की जानकारी दी है।

कार डीएलएफ चौकी एरिया में खड़ी हुई थी। नियम के मुताबिक पार्किंग कर्मियों ने कार के पहिए में लॉक लगा दिया।

कुछ देर बाद तीन-चार युवक पहुंचे। युवकों ने लॉक लगा देखा तो बौखला गए।

मौके पर पहुंचे पार्किंग कर्मियों से मारपीट शुरू कर दी। बचाव में आए बाकी कर्मियों से भी मारपीट की।

घर बुलाकर लाठी डंडों से पीटकर यूट्यूबर की हत्या

मृतक के पिता ने 7 आरोपियों पर दर्ज कराया केस

जेवर। दनकौर कोतवाली क्षेत्र के मोहम्मदपुर गुर्जर गांव में पड़ोसियों पर घर में बुलाकर एक यूट्यूबर को बेरहमी से लाठी डंडों से पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल की इलाज के दौरान सोमवार शाम ग्रेटर नोएडा के एक अस्पताल में मौत हो गई।

इस संबंध में पीड़ित पक्ष में 7 आरोपियों को नामजद करते हुए सोमवार को कोतवाली में केस दर्ज कराया है।

पुलिस को दी शिकायत में गांव निवासी बलबीर ने बताया कि पड़ोस के रहने वाले मनीष, प्रिंस, विक्की, योगेंद्र, विजे, कपिल और मिंकू उनके बेटे दीपक को रविवार रात अपने घर

बुलाया। जहां आरोपियों ने उसको जबरन शराब पिलाई। इस दौरान आरोपियों से उसके बेटे का विवाद हो गया।

इसके बाद जब उनका बेटा नशे में हो गया तो आरोपियों ने उसको लाठी-डंडों से बुरी तरह से पीटकर घायल कर दिया। इस घटना दीपक के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोट आई। मामले की जानकारी होने पर घायल अवस्था में परिवार के लोगों ने उसको अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान सोमवार की शाम दीपक की मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि इस संबंध में पीड़ित पक्ष की शिकायत पर पुलिस ने नामजद आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

सोशल मीडिया पर कामेडी समेत विभिन्न तरह की वीडियो बनाता था

बताया जाता है कि मृतक दीपक के यूट्यूब और इंस्टाग्राम समेत अन्य सोशल मीडिया पर लाखों से ज्यादा फॉलोअर्स है। जिसकी मौत के बाद उसके परिवार और प्रशंसकों में मातम पसर गया है।

बताया जाता है कि दीपक अपनी मम्मी के साथ सोशल मीडिया पर कॉमेडी समेत विभिन्न तरह की विडियो बनाकर उनको अपलोड करता था।

जल्द ही फरार आरोपियों गिरफ्तार कर लिया जाएगा: पुलिस

पड़ोसियों से हुए विवाद के चलते वह घायल हो गया। जिसकी मौत होने से गांव में शोक की लहर है। इस बारे में दनकौर कोतवाली प्रभारी संजय सिंह का कहना है कि जल्द ही फरार आरोपियों गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

किसान-मजदूर संघर्ष मोर्चा ने ट्यूबवेल-ऑपरेटर की मांग का दिया ज्ञापन

10 दिन में मांगों को पूरा नहीं किया तो प्राधिकरण के सभी कर्मचारी अनिश्चित-कालीन धरना देंगे

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के जल निगम के ट्यूबवेल ऑपरेटर की मांगों को लेकर किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा ने सोमवार को ज्ञापन सौपा। मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर विकास प्रधान के नेतृत्व में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एसीओ मेधा रुपम को ज्ञापन सौंपा गया। इन लोगों ने अपनी 9 सूत्रीय मांगों को लेकर यह ज्ञापन सौंपा।

किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ विकास प्रधान और उपाध्यक्ष आलोक नागर ने कहा कि आज ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर पंप ऑपरेटर कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर एक प्रतिनिधिमंडल ग्रेटर

नोएडा प्राधिकरण की एसीओ मेधा रुपम से मिला और ज्ञापन सौंपा। इस दौरान उनसे कहा गया कि 10 दिन के अंदर अगर सभी मांगों को पूरा नहीं किया जाता है तो प्राधिकरण पर सभी कर्मचारी परिवार सहित अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन करेंगे। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एसीओ मेधा रूपम ने सभी समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुना और सभी मांगों को जायज ठहराते हुए जल्द से जल्द समाधान की बात कही।

एसीओ को समस्याओं से कराया गया अवगत

राष्ट्रीय प्रवक्ता बृजेश भाटी और राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष लोकेश भाटी ने बताया कि समस्त समस्याओं से एसीओ मेधा रुपम को अवगत कराया गया। जिसमे पंप ऑपरेटर की मुख्य समस्याएं पंप ऑपरेटर कर्मचारियों को जैम पोर्टल से जोड़ा जाए। सभी कर्मचारियों का वेतन महीने के पहले सप्ताह में दिया जाए।

2018 के बाद से अब तक कुछ कर्मचारियों को ईएसआई पीएफ नहीं मिला है, उसको तुरंत दिया जाए। ऑन ड्यूटी किसी भी कर्मचारी के साथ कोई दुर्घटना हो जाती है तो उसका प्राधिकरण की तरफ से दुर्घटना बीमा अनिवार्य होना चाहिए। प्रत्येक कर्मचारी को महीने में चार छुट्टी मिलनी चाहिए प्राधिकरण की तरफ से जल विभाग के कर्मचारियों को कार्ड महुआ कराया जाए। शासन आदेश के अनुसार समान कार्य वेतन का आदेश सभी कर्मचारियों पर लागू किया जाए। प्राधिकरण के सभी पंप ऑपरेटर पर लगे कर्मचारियों की सूची सार्वजनिक की जाए।

तेज रफ्तार की टक्कर से पलटी श्रमिकों से भरी पिकअप

मोदीनगर। मोदीनगर के भोजपुर थाना क्षेत्र में दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस वे पर देर रात तेज रफ़्तार ट्रक ने पिकअप गाड़ी में टक्कर मार दी। जिस कारण पिकअप गाड़ी पलट गई। हादसे में पिकअप गाड़ी में सवार 12 मजदूर घायल हो गए। जिसमे से दो की हालात गंभीर बनी हुई हैं।

सभी घायलों को मेरठ के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक पिकअप गाड़ी मेरठ से मजदूर लेकर दिल्ली की ओर दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस वे मार्ग से जा रही थीं। पिकअप गाड़ी में गाजियाबाद में रेलवे साइट पर काम करने वाले 12 से अधिक मजदूर सवार थे।

बताया जा रहा है कि जब पिकअप गाड़ी दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस वे पर गांव पलोता के पास पहुंची तो कोहरे के चलते मेरठ की और से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने ओवर टेक करने के चक्कर में पिकअप गाड़ी में साइड मार दी। साइड लगते ही पिकअप गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई।

गाड़ी के पलटते ही चीख पुकार मच गई। बताया जा रहा है कि टक्कर इतनी जबरजस्त थीं कि मजदूर उछल कर इधर उधर जा गिरे। हादसे के बाद दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस वे पर जाम जैसी स्थिति बन गई और वाहनों की लंबी कतारें लग गई।

मुख्यालय के बाहर सड़क पर बैठे यति सन्यासी

गाजियाबाद। गाजियाबाद में जूना अखाड़े के महा मंडलेश्वर और शिव शक्ति धाम के महंत यति नरसिंहानंद गिरी की सुरक्षा की मांग को लेकर यति सन्यासी जिला मुख्यालय पर अनशन कर रहे थे। सोमवार की सुबह यति संन्यासियों का आरोप है कि जब वह जिला मुख्यालय पहुंचे तो उनके प्रदर्शन का टेंट हटा दिया गया था। जिसकी वजह से यति सन्यासी जिला मुख्यालय के बाहर सड़क पर धरने पर बैठ गए। जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर और शिव शक्ति धाम के महंत यति नरसिंहानंद गिरी ने बताया की पुलिस और प्रशासन की गुंडागर्दी के विरोध में यति सन्यासी सड़क पर बैठे है। यति नरसिंहानंद गिरी ने कहा कि अब योगी बताएंगे कि उन्होंने किस हैसियत से विरोध प्रदर्शन का अधिकार हमसे छीना। महंत के मुताबिक उनके शिष्य उनके लिए जेड प्लस सुरक्षा की मांग कर रहे हैं।

लग्जरी कार से शराब तस्करी करने वाले 3 गिरफ्तार

एजेंसी

नोएडा। लग्जरी कार से महंगी शराब की तस्करी करने वाले तीन तस्करों को थाना सेक्टर-63 और आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार किया है। इनके पास से गाड़ी में छिपाकर तस्करी कर हरियाणा से लाई जा रही अवैध शराब रेड लेवल एवं ब्लैक लेवल की कुल 36 बोतल बरामद की गई। इसकी कीमत करीब 60,000 रुपए आंकी जा रही है।

आबकारी निरीक्षक अभिनव शाही को सूचना मिली कि कुछ लोग सियाज कार में हरियाणा से शराब लेकर आ रहे हैं।

सूचना के आधार पर उन्होंने थाना सेक्टर-63 पुलिस के साथ मिलकर एक सियाज कार को जांच के लिए रोका। उसकी तलाशी लेने पर उसमें से दो पेटी रेड लेबल और एक पेटी ब्लैक लेबल शराब की बरामद हुई। पकड़े गए आरोपियों की पहचान स्वागत, अशोक कुमार और गौरव कुमार हुई है।

पकड़े गए तीनों आरोपियों ने स्वीकार किया कि वह हरियाणा से शराब लाकर नोएडा में ऊंची दामों पर बेचते हैं।

वह पिछले काफी समय से शराब के धंधे में संलिप्त हैं। पुलिस चेकिंग से बचने के लिए वह शराब तस्करी में लग्जरी वाहन का प्रयोग करते हैं। बरामद की गई बोतलों में 24 बोतल रेड लेवल, 12 बोतल ब्लैक लेवल (हरियाणा मार्का) की है।

शार्ट न्यूज

उप्र पूर्व पुलिस महानिदेशक के घर चोरी

उप्र के पूर्व पुलिस महानिदेशक के घर से लाखों रुपए कीमत के जेवरात चोरी चले गए। चोरी की इस घटना से नोएडा पुलिस में हड़कंप मच गया। आनन फानन में नोएडा पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंच गए और छानबीन के बाद घटना की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को घटना में किसी करीबी पर शक है। जानकारी के मुताबिक उप्र के पूर्व पुलिस महानिदेशक वीएन राय सेक्टर-128 स्थित जेपी विश टाउन के एक फ्लैट में रहते है। सोमवार को उन्होंने नोएडा पुलिस के अधिकारियों को सूचना दी कि उनके घर से लाखों रुपए कीमत के जेवरात गायब है। चोरी की सूचना मिलते ही मौके पर कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी पहुंच गए। पुलिस के मुताबिक दो माह से घर बंद था। पूर्व पुलिस महानिदेशक सिंगापुर गए थे। रविवार को उनका नौकर फ्लैट पर आया और आज वह आए और उन्होंने लॉकर चेक किया तो उसमें रखे जेवरात गायब थे। एसीपी रजनीश वर्मा ने बताया कि घर में सभी सामान सुरक्षित है। लॉकर में रखे जेवरात गायब बताए जा रहे है। घर में किसी भी तरह का ताला या जबरन एंट्री का कोई साक्ष्य नहीं मिला है। ऐसे में आशंका है कि जेवरात गायब करने में किसी परिचित या करीबी का हाथ हो सकता है। पुलिस अपने स्तर से छानबीन कर रही है।

पिता और बेटे पर कई लोगों ने किया हमला

कौशांबी। थाना क्षेत्र के केबीसी बैंक्वेट हॉल में शादी समारोह में दिल्ली से आए पिता और बेटे पर कुछ लोगों ने अचानक हमला कर दिया। बुरी तरह घायल होने पर दोनों ने भागकर अपनी जान बचाई। घटना 15 जनवरी की रात की है। पिता ने शुक्रवार को कौशांबी थाने पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ शिकायत दी थी। दिल्ली मौजपुर के विजय पार्क निवासी मनोज कुमार जैन ने शिकायत दी कि 15 जनवरी को केबीसी बैंक्वेट हॉल में उनके परिचित के परिवार के सदस्य की शादी थी। वह बेटे आकाश को साथ लेकर समारोह में शामिल हुए थे। रात 11 बजे पिता और पुत्र दोनों गाड़ी लेने के लिए पार्किंग में पहुंचे तो आकाश गाड़ी मोड़ कर खड़ी कर रहा था जबकि वह शौच करने के लिए कुछ दूर चले गए थे। कुछ सेकंड बाद लौटे तो देखा कि चार-पांच लोग आकाश को बुरी तरह पीट रहे हैं। उन्होंने बचाने का प्रयास किया तो आरोपियों पर हमला कर दोनों को लहूलुहान कर दिया। दोनों आरोपियों के चंगुल से छूटकर भागे और अपनी जान बचाई। घर से सीधा दोनों अस्पताल इलाज कराने गए। 26 जनवरी को दोनों कौशांबी थाने पहुंचे। पुलिस को लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की गुहार लगाई। पुलिस का कहना है कि बैंक्वेट हॉल की सीसीटीवी फुटेज कब्जे में लेकर जांच की। उसमें से शिकायतकर्ता ने आरोपियों की पहचान विपिन खोकर, विकास जैन, सुरेंद्र कुमार कश्यप और बंटी व अन्य के रूप में की।

युवक ने मालवाहक का डंडे से शीशा तोड़ा

साहिबाबाद। मोहननगर चौराहे के पास रविवार रात ओवरटेक के विवाद पर होंडा सिटी कार में सवार युवक ने हॉकी से मालवाहक वाहन में तोड़फोड़ की। आरोप है कि कहासुनी में मामला बिगड़ गया जिसके बाद युवक ने गाड़ी से हॉकी निकालकर हेडलाइट तोड़कर गाड़ी क्षतिग्रस्त कर दी। घटना के दो वीडियो एक्स और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर वायरल हो गए। पुलिस ने वीडियो का संज्ञान लेकर आरोपी को हिरासत में ले लिया। मामले में मालवाहक के चालक ने शिकायत देकर मुकदमा कराया है। रविवार रात करीब साढ़े नौ बजे एक्स और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर हाथ में हॉकी लेकर मालवाहक वाहन में तोड़फोड़ करते युवक का वीडियो वायरल हुआ था। साहिबाबाद पुलिस ने जांच की तो सामने आया कि इंदिरापुरम कोतवाली क्षेत्र में वसुंधरा निवासी मितुल गाड़ी लेकर अन्य युवक के साथ मोहननगर की तरफ आ रहे थे। उसी दौरान लोनी बॉर्डर निवासी नितिन मालवाहक वाहन लेकर जा रहा था। आरोप है कि ओवरटेक करने पर दोनों में कहासुनी हो गई। कुछ दूर जाकर होंडा सिटी गाड़ी सवार दो युवक उतरे। उनमें से एक मितुल नाम के युवक ने हॉकी से मालवाहक वाहन की हेडलाइट तोड़ी फिर टूटी हॉकी को चालक की तरफ जोर से मार दिया।

आईआईटी ने 178 करोड़ के एस्टिमेट को दी स्वीकृति, औद्योगिक क्षेत्रों में बनेंगी सड़के

गाजियाबाद। शहर के औद्योगिक क्षेत्रों में सड़क, नाले-नालियों के निर्माण के लिए बनाए गए 178 करोड़ के प्रोजेक्ट को आईआईटी दिल्ली के एक्सपर्ट्स ने स्वीकृति दे दी है। अब शहर के चार औद्योगिक क्षेत्रों में निर्माण कार्य का रास्ता साफ हो गया। यूपीसीडा (उत्तर प्रदेश औद्योगिक विकास प्राधिकरण) के अधिकारी मार्च में इन निर्माण कार्यों को शुरू करने की तैयारी कर रहे हैं। साहिबाबाद साइट-4 औद्योगिक क्षेत्र, लोहा मंडी, कविनगर औद्योगिक क्षेत्र और बुलंदशहर रोड औद्योगिक क्षेत्र की सड़कें काफी खराब हालत में हैं। गहरे गड्ढों की वजह से यहां ट्रकों का आवागमन भी मुश्किल है। उद्यमी लंबे समय से नगर निगम के अधिकारियों से यहां सड़कों और जल निकासी के लिए नालों का निर्माण कराने की मांग कर रहे थे। नगर निगम ने फंड की कमी की वजह से निर्माण कराने से हाथ खड़े कर दिए थे। इसके बाद यूपीसीडा ने इन औद्योगिक क्षेत्रों के लिए फंड आवंटित किया। साहिबाबाद साइट-4 औद्योगिक क्षेत्र के लिए 20.25 करोड़, लोहामंडी के लिए 37.46 करोड़, साउथ साइड जीटी रोड औद्योगिक क्षेत्र के लिए 22.56 करोड़ रुपये और बुलंदशहर रोड इंडस्ट्रीयल एरिया के लिए 98.18 करोड़ रुपये आवंटित कर सड़कों और नाले निर्माण के लिए एस्टिमेट तैयार कर परीक्षण के लिए दिल्ली आईआईटी को भेजे थे।

बच्ची से कुकर्म के बाद कर दी हत्या, अदालत ने सुनाई आजीवन कारावास की सजा

गाजियाबाद। गाजियाबाद के मोदीनगर थाना क्षेत्र में तीन साल पहले सात वर्षीय बच्ची ने आरोपी गौरव को घर से बोतल में लाकर पानी दिया तो उसने फुसलाकर बाइक से ले जाकर कुकर्म कर हत्या कर दी। इस मामले में विशेष पॉक्सो कोर्ट तृतीय ने दोषी गौरव को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। न्यायाधीश तेंद्रपाल ने दोषी पर 43 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। अदालत ने 25 जनवरी को दोषी करार दिया था। सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपी की शिनाख्त हुई थी। विशेष लोक अभियोजक हरीश कुमार ने बताया कि मोदीनगर थाने में 19 मई 2020 को एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज कराई। व्यक्ति ने बताया कि उनकी सात वर्षीय बच्ची को पिलखुवा निवासी गौरव चॉकलेट दिलाने के बहाने बाइक पर बैठाकर अपने साथ ले गया था। उसने बच्ची के साथ कुकर्म कर गला दबाकर उसकी हत्या कर शव वहीं छुपा दिया। पुलिस की जांच में पता चला था कि घटना वाले दिन गौरव गधे पर लाद कर मिट्टी डालने का काम कर रहा था। उसने पहले बच्ची को 20 रुपये देकर पास में स्थित परचून की दुकान पर चॉकलेट लेने भेज दिया। बाद में पीछे से दुकान पर पहुंच कर मासूम को अपने साथ मोटरसाइकिल पर बिठाकर अमराला गांव के जंगल में ईंट भट्ठे के पास बने मकान में ले जाकर बच्ची के साथ कुकर्म किया।

बोर्ड परीक्षा में 53,246 छात्रों की निगरानी करेंगे लगभग 2500 शिक्षक

गाजियाबाद। यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षा में 53 हजार 246 छात्रों पर लगभग दो हजार 500 शिक्षकों की तैनाती होगी, जो बोर्ड परीक्षा के दौरान परीक्षा कक्ष में छात्रों की निगरानी करेंगे। पिछले साल की अपेक्षा इस सत्र में दोनों कक्षाओं में करीब 312 छात्र-छात्राएं बढ़े हैं। छात्रों की संख्या बढ़ने से पिछले साल के मुकाबले इस बार तीन परीक्षा केंद्र अतिरिक्त बनाए गए हैं। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की परीक्षाएं 22 फरवरी से होनी हैं। परीक्षा के शुरू होने में अब केवल 23 दिन बचे हैं। जिले में नकलविहीन परीक्षा के आयोजन के लिए पूरी तैयारी की जा रही है। परीक्षा के लिए जिले में कुल 69 केंद्र बनाए गए हैं। जिन पर केंद्र व्यवस्थापक, अतिरिक्त केंद्र व्यवस्थापक, सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट आदि की तैनाती की जा रही है, जिन पर केंद्रों की सुरक्षा और वहां होने वाली हर गतिविधि की जिम्मेदारी होगी। इसके अलावा बोर्ड परीक्षा के दौरान ड्यूटी देने वाले शिक्षकों की भी सूची तैयार की जा रही है, जो जल्द ही पूरी हो जायेगी। परीक्षा का कार्यभार संभाल रहे डीआईओएस कार्यालय के अधिकारी मंजीत कसाना ने बताया कि लगभा 2500 शिक्षकों की ड्यूटी लगाई जाएगी। जल्दी ही सूची तैयार हो जायेगी। कक्ष निरीक्षक व परीक्षकों को सीधे बोर्ड स्तर से यूनिक आइडी कार्ड जारी होंगे।

यूपी में 3 दिन बाद बारिश-ओले के आसार

कानपुर में सर्दी का 20 साल का रिकॉर्ड टूटा, लखनऊ में घना कोहरा, 39 शहरों में अलर्ट

कानपुर। यूपी में रविवार को सहारनपुर सबसे ठंडा रहा। यहां पारा 4 रिकॉर्ड किया गया। ठंड के चलते जिले में 1 से 12 तक सभी स्कूल 31 जनवरी तक बंद कर दिए गए हैं। सोमवार सुबह लखनऊ-कानपुर में घना कोहरा छाया हुआ है। यहां विजिबिलिटी 50 मीटर तक पहुंच गई। वहीं, अयोध्या में भी कोहरा है। सुबह पारा 7 रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने 39 जिलों में कोहरे का अलर्ट जारी किया है।

कानपुर में शीतलहर ने 20 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, 2024 में 11 जनवरी के बाद से यानी 17 दिन से शीतलहर जारी है। ऐसा 20 साल पहले 2003 में हुआ था। शीतलहर से मतलब लगातार पारा 10एष्ट से कम रिकॉर्ड किया गया।

मौसम विज्ञानियों ने इस बार संभावना जताई थी कि अलनीनो की वजह से ठंड ज्यादा नहीं पड़ेगी। हालांकि, इस साल सर्दी ने सारे अनुमान ध्वस्त कर दिए। प्रदेश ने साल 2003 जैसी सर्दी का सामना किया।

जनवरी में पहली बार रविवार को औसत अधिकतम तापमान 20.7 पहुंच गया। यह सामान्य से 1.6 अधिक है।

यूपी में फरवरी से बारिश की संभावना

यूपी समेत उत्तर भारत में 1 फरवरी से बारिश की संभावना है। फरवरी में पंजाब, हरियाणा, पश्चिम उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों और दिल्ली में भी बारिश होने का पूर्वानुमान है। इसकी वजह पश्चिमी विक्षोभ की एक शृंखला है, जो पश्चिम हिमालय की ओर आ रही है। इसके असर से पहाड़ों में भारी बर्फबारी और बारिश की संभावना है।

मौसम विभाग का अनुमान है कि फरवरी के पहले सप्ताह में बारिश धीरे-धीरे विस्तार और तीव्रता दोनों में बढ़ेगी।

उत्तर भारत में अधिक अच्छी बारिश की संभावना है। यही नहीं, 3 से 5 फरवरी के बीच यूपी में कानपुर के आसपास और लखनऊ तक बादलों के साथ हल्की बारिश हो सकती है। प्रदेश के कुछ जगहों में तेज बारिश और ओले भी गिर सकते हैं।

बरेली में सुबह से घना कोहरा छाया हुआ है। इससे पहले रविवार को भी कोहरा रहा। आज सुबह न्यूनतम तापमान 4.6 डिग्री दर्ज किया गया। दिन में अधिकतम तापमान 14.7 डिग्री रहने का पूर्वानुमान है। हवा की स्पीड 6 किलोमीटर प्रति घंटा की रहेगी, दिन में शीत लहर जैसा मौसम रहेगा। अगले 2 दिन तक बरेली और आसपास के जिलों में सर्दी ऐसी ही रहेगी। रविवार को दिन भर धूप नहीं खिली।

8 शहरों में घने कोहरे का ऑरेंज, 31 में यलो अलर्ट

मौसम विभाग के मुताबिक, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत में घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट है, जबकि जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थ नगर, गोंडा, बलरामपुर, सीतापुर, हरदोई, लखनऊ, बाराबंकी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकर नगर, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, हापुड़, अमरोहा, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं में येलो अलर्ट जारी किया गया है।

आजमगढ़ में चापड़ से काटकर युवती की हत्या

एजेंसी

आजमगढ़। आजमगढ़ जिले के जहानागंज थाना क्षेत्र के बड़हलगंज बरही में धारदार हथियार से गला काटकर युवती की हत्या का मामला सामने आया है। मृतक युवती अर्चना राम (23) पुत्री बिरजू मऊ जिले के चिरैय्याकोट थाना क्षेत्र के रौजा रसूलपुर की रहने वाली है। आजमगढ़ मऊ बार्डर पर हुई यह हत्या मृतका के घर से पांच सौ मीटर की दूरी पर प्रेमी ने अंजाम दिया।

प्रेमी ने गेहूं के खेत में धारदार हथियार से काटकर युवती की दर्दनाक हत्या कर दी। इस मामले की जानकारी मिलते ही जिले के एसपी अनुराग आर्य, एसपी सिटी शैलेन्द्र लाल, डॉग स्क्वायड और फारेंसिक टीम सहित बड़ी संख्या में आला अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। जिले के एसपी अनुराग आर्य ने घटना के खुलासे के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौके से पुलिस ने चाकू बरामद किया है। पुलिस आस-पास की सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

गेहूं के खेत में हुई हत्या

आरोपी युवक आकाश ने युवती को बहाने से बुलाकर गेहूं के खेत में ले गया। जहां आरोपी युवक ने धारदार हथियार से युवती का गला और गर्दन काटकर फरार हो गया। घटनास्थल पर भारी मात्रा में खून बिखरा हुआ मिला। इसके साथ ही घटनास्थल पर पांच शराब की बोतलें भी बरामद हुई। मौके पर डाग स्क्वायड टीम सुबूत जुटाने में जुटी हुई है। आरोपी युवक हमेशा युवती को जान से मारने की धमकी देता था। लड़की को हमेशा मारता और गाली देता था। लेकिन इसके बाद भी पीछा नहीं छोड़ा और अंत में मेरी बेटी की जान ही ले लिया।

शार्ट न्यूज

120 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की

ललितपुर। तालबेहट, पुलिस ने छापेमारी करते हुए 120 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की एक आरोपी गिरफ्तार। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन मे अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार व क्षेत्राधिकारी कुलदीप कुमार के निकट पर्यवेक्षण मे जनपद में अवैध शराब के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना तालबेहट पुलिस द्वारा मुखविर की सूचना पर ग्राम थाना गांव रपटा म0प्र0 बॉर्डर के पास से एक अभियुक्ता श्रीमती क्रांति पत्नी सुनील कबूतरा उम्र करीब 35 वर्ष निवासिनी कबूतरा डेरा थाना तालबेहट को मौके से गिरफ्तार किया गया जिसके कब्जे से 120 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद हुई। बरामदगी के आधार पर अभियुक्ता के विरुद्ध थाना तालबेहट में मु0अ0सं0 29/24 धारा 60(1) आब0 अधि0 पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी। गिरफ्तार करने वाली टीम विनोद कुमार मिश्र ,प्रभारी निरीक्षक उ0नि0 बाली सिंह भदौरिया, उ0नि0 वीरेन्द्र सिंह पाल, हे0 कां0 विनय का0 शुभम तिवारी, का0 पुष्पेन्द्र सिंह भदौरिया, कां0 ऋषभ सागर , कां0 राघवेन्द्र ,कां0 महिपाल , कां0 गुलमोहम्मद,कां0 प्रवीन म0 कां0 आस्था उत्तम आदि शामिल रहे।

दो हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार, अवैध शस्त्र बरामद

विशाल इंडिया/पुनीत मिश्रा

सीतापुर। एसपी चक्रेश मिश्र द्वारा जनपद में सघन चेकिंग एवम् अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये है। दिये गये निर्देश के क्रम में क्षेत्राधिकारी नगर के निकट पर्यवेक्षण में थाना खैराबाद पुलिस टीम द्वारा चेकिंग के दौरान अभियुक्तगण पुत्तनी पुत्र छेदू निवासी ग्राम शरफापुर थाना खैराबाद जनपद सीतापुर को एक अवैध तमंचा मय एक जिंदा कारतूस 315 बोर तथा ठुकरी पुत्र पुन्दी निवासी ग्राम अनीसपुर थाना खैराबाद जनपद सीतापुर एक अवैध तमंचा व एक जिंदा कारतूस 12 बोर के साथ गिरफ्तार किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गिरफ्तार किये गये बदमाश उपरोक्त थाना स्थानीय के मजारिया हिस्ट्रीशीटर (3971-ए पुत्तनी) व (4586-ए ठुकरी) भी है। जिनके विरुद्ध पूर्व में थाना स्थानीय पर यू0पी0 गैगेस्टर एक्ट/चोरी/नकबजनी/चोरी की योजना बनाने/अवैध मादक पदार्थ/चाकू व शस्त्र रखने जैसे धाराओं में करीब एक दर्जन से अधिक अभियोग पंजीकृत है। बरामदगी के सम्बन्ध में क्रमशः मु0अ0सं0 40/24 बमनाम पुत्तनी तथा मु0अ0सं0 41/24 बनाम ठुकरी धारा 25(1-बी) एएसीटी पंजीकृत कर अभियुक्तगण उपरोक्त का चालान न्यायालय किया गया है।

अमरोहा में कलक्ट्रेट में कांग्रेसियों का प्रदर्शन

अमरोहा। अमरोहा की सदर तहसील में पनप रहे भ्रष्टाचार के खिलाफ कांग्रेसियों ने कलेक्ट्रेट में नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। साथ ही तहसील में तैनात अधिकारियों पर भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि तहसील में कोई भी काम बिना रिश्वत के नहीं हो रहा है। तहसील में कई अधिकारी दस साल से भी अधिक समय से तैनात हैं। इनकी शिकायत पूर्व में की गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद आज कांग्रेसियों में डीएम के नाम ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग उठाई है। कांग्रेस पार्टी अमरोहा के नगर अध्यक्ष फैज आलम ने बताया कि सदर तहसील में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। दस साल से अधिक सालों से कई अधिकारी एक ही पद पर तैनात हैं, जो तहसील में भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रहे हैं। साथ ही आरोप लगाया कि तहसील में कोई भी काम बिना रिश्वत के नहीं हो रहा है। तहसील में पनपे भ्रष्टाचार को लेकर बीते दिनों जिलाधिकारी राजेश कुमार त्यागी से शिकायत की गई थी, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। सरकार जीरो टॉलरेंस नीति पर कार्य करने का दावा कर रही है, लेकिन अमरोहा में हकीकत जुदा है। आज फिर से डीएम के नाम एक शिकायती पत्र सौंपकर तहसील में फैले भ्रष्टाचार पर रोक लगाने की मांग उठाई है।

हाथरस में हत्या के 3 आरोपियों को उम्र कैद

हाथरस। हाथरस में न्यायालय ने हत्या के एक मामले में तीन आरोपियों को दोषी करार देते हुए उन्हें आजीवन कारावास और अर्थदंड की सजा सुनाई है। अर्थदंड न देने पर इन्हें अतिरिक्त कारावास भोगना होगा। अभियोजन पक्ष के अनुसार उमेश कुमार निवासी सीधामई थाना हसायन ने यह तहरीर दी कि 13 अगस्त 2020 की शाम को उसके भाई राहुल पुत्र धर्मवीर सिंह को गांव का ही प्रदीप खेतों पर बुला कर ले गया। वहां पर रोहित पुत्र लायक सिंह, रिंकू पुत्र गंगा सिंह निवासीगण सीधामई थाना हसायन में शराब पी रहे थे। इसी दौरान उमेश और संजय वहां पहुंचे। तहरीर के मुताबिक इस दौरान वहां इन लोगों में कहासुनी हो रही थी। इसी दौरान रोहित ने जान से मारने की नीयत से तमंचे से राहुल को गोली मार दी। प्रदीप और रिंकू ने राहुल को पकड़ रखा था। इन लोगों ने उमेश पर भी जान से मारने की नीयत से फायर किया। गोली उमेश के कंधे में लगी। गोली लगने से राहुल की मौत हो गई और उमेश घायल हो गया। घटना के बाद हमलावर वहां से भाग गए। पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज किया और मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया। पुलिस ने रोहित की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त तमंचा भी बरामद कर लिया। विवेचना के उपरांत पुलिस ने इस मामले में आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल कर दिया।

नदी में उतराया मिला महिला का शव

जफराबाद। जौनपुर के जफराबाद थाना क्षेत्र के बेलाव घाट स्थित गोमती नदी में एक विवाहिता का शव पाया गया है। स्थानीय लोगों ने जफराबाद पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को गोताखोरों के माध्यम से नदी से बाहर निकलवाया। गांव के प्रधान ने मृतक की पहचान मंजू देवी के रूप में की है, जो कि बीबीपुर गांव की रहने वाली है। पुलिस ने परिजनों को सूचना देकर लाश अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बीबीपुर के ग्राम प्रधान विजेंद्र चौहान ने मृतक युवती की पहचान मंजू देवी (26) पत्नी बृजेश कुमार के रूप में की। प्रधान ने बताया कि महिला सुबह अपने घर से काम के लिए निकली थी। ठंडी की वजह से परिवार के लोग सो रहे थे। सुबह घर पर न दिखने पर परिजन उसकी खोजबीन करने लगे। काफी तलाश के बाद उसका शव बेलाव पुल के पास मिला। मृतक के परिवार के लोगों ने बताया कि महिला मानसिक रूप से विक्षिप्त थी। उसकी शादी 2022 में दानगंज के पास हुई थी। थानाध्यक्ष सुरेंद्रनाथ सिंह ने बताया कि उन्हें सूचना मिली की एक महिला का शव नदी में उतराया हुआ है। महिला की पहचान बीबीपुर के गांव के रूप में हुई है। शव को पोस्टमार्मट के लिए भेज दिया गया है। जांच पड़ताल की जा रही है। जांच के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ऑटो ड्राइवर की रेलवे ट्रेक पर लाश मिली

झांसी। झांसी में ऑटो ड्राइवर की लाश रेलवे ट्रेक पर मिलने से सनसनी फैल गई। उनकी ऑटो 500 मीटर दूर ग्वालियर रोड नए ओवरब्रिज के पास खड़ा मिला। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर हत्या, हादसा और सुसाइड के एंगल पर जांच शुरू कर दी है। मृतक का नाम नीलेश राय (45) बलवीर राय था। वह कोतवाली थाना क्षेत्र के पंचवटी कॉलोनी के रहने वाले थे। भाई कमलेश ने बताया कि नीलेश ऑटो चलाया करते थे। रोजाना की तरह रविवार सुबह 10 बजे वह घर से निकले थे। तब वह हंसते और बच्चों को खिलाते हुए गए थे। शाम को ग्वालियर रोड चौकी पुलिस ने सूचना दी कि उनकी लाश ग्वालियर रोड क्रॉसिंग के पास जागेश्ववर मंदिर के पास मिली है। पुलिस ने अनुसार, रविवार शाम को एक व्यक्ति शौच क्रिया के लिए गया तो उसे रेलवे ट्रैक पर एक लाश नजर आई। इसके बाद आसपास के लोग एकत्र हो गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। मृतक के पास से ड्राइविंग लाइसेंस बरामद हुआ तो परिजनों को सूचना दी गई। इसके बाद परिजन मौके पर पहुंच गए। नीलेश राय की 16 साल की एक बेटी श्रुत्रि है, जो 10वीं कक्षा में पढ़ रही है। मौत के बाद घर में कोहराम मच गया। पत्नी अनीता का रो रोकर बुरा हाल है।

झांसी : किसान का शव खेत में मिला लहुलुहान, फैली सनसनी

झांसी। उत्तर प्रदेश में झांसी के कटेरा थानाक्षेत्र में खेत की रखवाली कर रहे किसान का शव बुधवार सुबह मिलने से सनसनी फैल गयी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कटेरा थानाक्षेत्र के पुखरयां गांव निवासी किसान महेश रैकवार (32) रात को खाना खाने के बाद अपने खेत की रखवाली के लिए गया था। सुबह महेश का शव पत्थर से कुचला हुआ लहुलुहान स्थिति में मिला। घटना की सूचना मिलते ही थाना पुलिस और आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। फारेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंच कर साक्ष्य एकत्र किये।

ग्रामीणों ने बताया कि पिछले वर्ष मृतक की पत्नी ने आत्महत्या कर ली थी ,अब परिवार में एक पुत्री ही रह गयी है।

पुलिस अधीक्षक ग्रामीण (एसपीआरए) गोपीनाथ सोनी ने बताया कि कटेरा थानाक्षेत्र के पुखरयां गांव में किसान महेश का शव उसके खेत से लहुलुहान अवस्था में बरामद किया गया।

चार तस्कर गिरफ्तार, नेपाल से 83 लाख का चरस लेकर कानपुर जा रहे थे

अयोध्या। एसटीएफ लखनऊ की टीम ने पूराकलंदर थाना क्षेत्र के इटौरा चौराहे के पास दर्शननगर मोड़ से कार सवार चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। तस्करों से पास से 16. 5 किलो चरस बरामद किया है। जिसकी कीमत 83 लाख रुपए से अधिक है।

लखनऊ एसटीएफ के अपर पुलिस अधीक्षक सत्यसेन यादव के नेतृत्व में उपनिरीक्षक सत्यप्रकाश सिंह की टीम ने इटौरा चौराहे के पास रविवार की रात एक कार यूपी 78 एचएल 5333 को रोककर तलाशी ली तो कार से 16. 5 किलो चरस बरामद हुआ।

एसटीएफ ने कार सवार कानपुर नगर के देहली सुजानपुर निवासी विमल राजपूत व न्यू आजाद नगर निवासी आशीष यादव तथा कानपुर देहात के थाना मंगलपुर स्थित बलरामपुर कन्चौसी नगर पंचायत निवासी जितेन्द्र सिंह व क्रीत खेडा तहसील अकबरपुर निवासी योगेंद्र सिंह को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में इन्होंने बताया कि यह लोग नेपाल से चरस की खेप लेकर कानपुर जा रहे थे। बरामद कार आशीष यादव के नाम पर पंजीकृत है और खेप कानपुर निवासी मनोज तिवारी के कहने पर ले जाई जा रही थी।

4500 रूपये, 4 पैन कार्ड, दो ड्राइविंग लाइसेंस बरामद

एटीएस ने चारों आरोपियों के पास से 4500 रूपये, 4 पैन कार्ड, दो ड्राइविंग लाइसेंस, 3 मोबाइल फोन व 4 एटीएम कार्ड बरामद किया है तथा सभी के खिलाफ मादक पदार्थ के तस्करी की धारा में पूराकलंदर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

एसटीएफ के उपनिरीक्षक सत्य प्रकाश का कहना है कि बरामद चरस की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 83 लाख रुपये है।

बरेली में डबल मर्डर के आरोपी को जेल भेजा

बरेली। बरेली में डबल मर्डर के आरोपी राशिद को कोर्ट में पेश कर पुलिस ने जेल भेज दिया। रविवार को पुलिस ने राशिद को इज्जतनगर फ्लाईओवर के पास से अरेस्ट किया था। उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त हथौड़ा भी बरामद किया गया। पहले यह मुकदमा महिला के पति की तरफ से संजीव के खिलाफ लिखा गया था। पूछताछ में पुलिस ने संजीव को क्लीनचिट दे दी। फर्द में पुलिस राशिद के नाम को शामिल किया है।

शुक्रवार रात नर्सरी में थी दोनों की हत्या

बरेली के इज्जतनगर क्षेत्र में बड़ा बाईपास पर शुक्रवार रात लालपुर गांव के नर्सरी में डोहरा निवासी धारा गौटिया की पत्नी मीना (44 साल) व पुत्र नेत्रपाल (21 साल) की हथोड़े से हत्या कर दी थी। महिला की 20 साल की बेटी से राशिद का 6 साल से अफेयर था। राशिद एक बेटी का बाप है जो युवती से शादी करना चाहता था।

लेकिन युवती के परिवार के लोग मना करते थे। युवती ने ही अपने प्रेमी राशिद से कहकर अपने मंगतेर संजीव से रिश्ता तुड़वाया। जिससे वह राशिद से शादी कर सके। लेकिन परिवार शादी में बाधा बन रहा था। जहां राशिद ने प्रेमिका की मां और भाई को मार डाला। एफआईआर में नामजद संजीव का नाम पुलिस निकालेगी। इसके लिए पुलिस ने हत्यारोपी राशिद व महिला की बेटी के भी बयान दर्ज किए हैं। पूछताछ के दौरान युवती ने बताया, मेरा रिश्ता दिसंबर 2023 में संजीव नाम के युवक के साथ तय हुआ था। लेकिन मैंने संजीव को फोन करके अपने और राशिद के बारे में सब कुछ बता दिया था। साथ ही मैंने संजीव से कहा था कि अगर वह मुझसे जबरदस्ती शादी करेगा, तो मैं उससे बाद में तलाक ले लूंगी।

19 साल की युवती से रेप का आरोपी अरेस्ट

बरेली। बरेली में 19 साल की युवती की आबरु लूटने के आरोपी को पुलिस ने अरेस्ट किया है। आरोपी प्रमोद के खिलाफ मारपीट, छेड़छाड़ व रेप की धारा में केस दर्ज कराया था। लगातार पुलिस आरोपी की तलाश कर रही थी। लेकिन वह घर छोड़कर फरार था। सोमवार को पुलिस ने नामजद आरोपी को अरेस्ट किया है। एसपी देहात मुकेश चंद्र मिश्रा का कहना है कि कोर्ट में पेश कर जेल भेजा जाएगा। घटना 2 जनवरी की है। बरेली के भुता थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी 19 साल की युवती घर में अकेली थी। आरोप है कि प्रमोद ने युवती के साथ छेड़छाड़ की। युवती ने विरोध किया तो आरोपी ने मारपीट करते हुए कपड़े फाड़ दिए। जहां युवक ने हत्या की धमकी देकर युवती के साथ दुष्कर्म किया। एसपी देहात ने बताया कि नामजद आरोपी प्रमोद कुमार निवासी ग्राम बरखेडा थाना भुता जिला बरेली को उदयपुर पुलिया के पास से अरेस्ट किया गया है। इस घटना में मारपीट में जो अन्य लोग शामिल रहे हैं उन पर भी पुलिस कार्रवाई कर रही है।

'महिपाल मर्डर' में प्रेमिका का बेटा अरेस्ट

बरेली। बरेली में शनिवार रात स्कूल के रसोईया महिपाल की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया। पुलिस ने हत्यारोपी रिंकू यादव को अरेस्ट कर लिया है। रविवार को शव मिला, तो पुलिस ने छानबीन की। इसमें स्स्कघुले सुशील चंद्रभान ने भी घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने बताया कि हत्या अवैध संबंधों में की गई है। यह बात रिंकू बर्दाश्त नहीं कर सका। बरेली के बिथरी चैनपुर थाना क्षेत्र के एक गांव के प्राथमिक स्कूल के रसोइया महिपाल (45 साल) शाहजहांपुर का निवासी था। वह बिथरी चैनपुर क्षेत्र में अपनी रिश्तेदारी में रह रहा था। महिपाल सरकारी स्कूल में रसोईया का काम करता था। रविवार सुबह महिपाल का शव एक मकान के सामने पड़ा मिला। जिसमें महिपाल की सिर व चेहरा कुचलकर हत्या को अंजाम दिया गया था। जिसमें पुलिस ने माना कि ईंट या अन्य किसी ठोस वस्तु से प्रहार कर हत्या की गई है। इस घटना में एसएसपी ने खुलासे के लिए बिथरी चैनपुर प्रभारी संजय तोमर को लगाया था। पुलिस ने मोबाइल की कॉल डिटेल व अन्य साक्ष्य के आधार पर रिंकू यादव को अरेस्ट कर लिया है। युवक ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि मेरी मां से महिपाल के प्रेम संबंध थे। पहले भी कई बाद संदेह था कि महिपाल घर पर आता जाता था। और वह गलत तरह से काम में लिप्त है। रिंकू ने आग पुलिस को बताया कि मैं कुछ कह नहीं सका।

बुलंदशहर में हत्या के दोषी को उम्रकैद

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश में बुलंदशहर जिले की एक अदालत ने सोमवार को हत्या के दोषी को सश्रम आजीवन कारावास एवं 50000 रुपए जुर्माने की सजा सुनायी है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश-6 विवेक कुमार की अदालत ने सिकंदराबाद क्षेत्र के ग्राम जोली निवासी सुशील उर्फ मूंछ को सजा सुनायी। सत्येन्द्र उर्फ छोटू ने ग्राम जोली में मोटे एवं निक्की को 36 हजार रुपए उधार दिए थे। सत्येंद्र अपने पिता राजवीर के साथ प्राणगढ़ में रुपए वापस मांगने गया। इसी दौरान अभियुक्त सुशील ने सत्येंद्र की तमंचे से गोली मारकर हत्या कर दी थी।

पूर्व पार्षद की सिर कूचकर हत्या

गांव के युवक से दुश्मनी थी, बिना बताए शादी में उसके रिश्तेदार के घर चला गया था

झांसी। झांसी में पूर्व पार्षद महेश रायकवार की सिर कूचकर हत्या कर दी गई। वह रात में खेत पर फसल की रखवाली करने गया था। उसके बाद से सुबह घर लौट कर नहीं आया। इसके बाद घरवालों ने खेत पर जाकर देखा, तो वहां उसकी लाश खून से लथपथ पड़ी थी। उसका कान और गला कटा हुआ था। महेश की पत्नी ने दो साल पहले सुसाइड कर लिया था। पुलिस दो एंगल पर काम कर रही है। पहला महेश के गांव में एक महिला से प्रेम संबंध थे। दूसरा गांव के एक परिवार से रंजिश

चल रही थी। पुलिस ने मृतक के छोटे भाई की तहरीर पर 4 लोगों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया है। घटना कटेरा थाना क्षेत्र के पुखरया खिरक गांव की है।

महेश रोज रात को खेत पर सोने जाता था

32 साल का महेश रायकवार पुखरया खिरक गांव का रहने वाला था। वह 10 साल पहले नगर पंचायत में पार्षद भी रह चुका है। उसके छोटे भाई धर्मेंद्र ने बताया, मेरे बड़े भाई महेश रोज की तरह रविवार शाम करीब 6 बजे घर से खाना खाकर खेत पर फसल की रखवाली करने गए थे। वह रात में खेत में बनी झोपड़ी में ही सोए। वहीं पर रात को उनकी हत्या कर दी गई।

बुन्देलखण्ड गौरव महोत्सव की दूसरे दिन भी रही धूम

योगा, वाटर स्पोर्ट्स, हॉट एयर बैलून व सांस्कृतिक कार्यक्रम का हुआ आयोजन

ललितपुर। बृज की होली व ड्रीम नोट बैंड ने मचाया धमाल जिला प्रशासन के तत्वाधान में आयोजित बुन्देलखण्ड गौरव महोत्सव-2024 के दूसरे दिन भी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गई। महोत्सव का शुभारम्भ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलन कर किया गया। इसके महोत्सव के विभिन्न कलाकारों द्वारा बृज की होली, बुंदेली आल्हा गायन, भजन संध्या एवं ड्रीम नोट बैंड जैसे कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गयी।

कार्यक्रम में जिलाधिकारी द्वारा प्रात: हॉट एयर बैलून में परिवार सहित यात्रा की गई, साथ ही योगा, हैरिटेज वॉक तथा सुमेरा तलब स्थित वोट क्लब पर मा0 सदर विधायक श्री रामरतन कुशवाहा द्वारा वाटर स्पोर्ट कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। सायंकाल में तुवन प्रांगण में हॉट एयर बैलून, टेथर्ड तथा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मौके पर बताया गया कि बुन्देलखण्ड की परम्परायें, विरासतें, रीतिरिवाज एवं धरोहरें स्वयं में विशेष महत्व रखती है, जिनके दर्शनार्थ बुन्देलखण्ड में देश विदेश के पर्यटकों का आवागम होता है। इस क्षेत्र में पर्यटन की सम्भावना के विकास हेतु मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा बुन्देलखण्ड के 07 जनपदों झांसी, जालौन, ललितपुर, चित्रकूट, हमीरपुर, बांदा और महोबा में बुन्देलखण्ड गौरव महोत्सव मनाने के निर्देश दिये गये है। कार्यक्रम में जिला प्रशासन के समस्त अधिकारी/कर्मचारियों ने परिवार सहित प्रतिभाग किया, साथ ही हजारों की संख्या में जनपदवासियों ने प्रतिभाग किया।

जंगली सुअरों के दो मांस तस्कर पकड़े

बदायूं। बदायूं में जंगली सुअरों का शिकार करते हुए दो लोग पशु प्रेमियों ने वन विभाग की टीम के साथ पकड़े हैं। जबकि एक फरार हो गया। पशु प्रेमी की तहरीर पर पुलिस ने इस मामले में दो नामजद समेत तीन के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम व वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है। बरामद सुअरों को वन विभाग ने सुपुर्दगी में लेकर पुन: जंगल में छोड़ दिया। पशु प्रेमी संजीव कुमार निवासी गांव सिरसौली थाना उझानी रविवार रात अपनी टीम के साथ फैजगंज बेहटा क्षेत्र में एक चोटिल बंदर को लेने गए थे। वहां से लौटते वक्त रास्ते में आसफपुर पुलिस चौकी के पास एक पिकअप वाहन खड़ा मिला। वाहन के भीतर झांका तो उसमें 10 जंगली सुअर बंधक बने हुए पड़े थे। जबकि तीन लोग भी वाहन में आगे बैठे थे। इनमें एक व्यक्ति मौके से भाग निकला। मामले की जानकारी पर पुलिस टीम को बुलाया गया और पुलिस उन्हें थाने ले गई। यहां पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम अखिलेश व विपिन बताया।

जिला जज ने कारागार का किया औचक निरीक्षण

एसपी व सीडीओ भी रहे मौजूद

विशाल इंडिया/पुनीत मिश्रा

सीतापुर।जिला न्यायाधीश मनोज कुमार (तृतीय), पुलिस अधीक्षक चक्रेश मिश्र एवं मुख्य विकास अधिकारी निधी बंसल द्वारा संयुक्त रूप से जिला कारागार का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान कोई भी आपत्तिजनक वस्तु नहीं मिली। बंदियों से वार्ता कर उनकी समस्याओं के निराकरण हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश एवं महिला बंदियों के बच्चों को खिलौने वितरित किया गया जिसे पाकर बच्चे बहुत प्रसन्न हुए। इस मौके पर जेल अधीक्षक सुरेश सिंह भी मौजूद रहे।

बिरधा के लाल ने किया कमाल उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने जितेंद्र कुमार को सम्मानित किया

ललितपुर। उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान के श्रृंखला के अंतर्गत संस्कृतिक क्षेत्र में प्रथम पुरुस्कार से सम्मानित किया गया। क़स्बा अपने पर बिरधा बासियो ने फूल माला पहनाकर भव्य स्वागत किया। बिरधा-ललितपुर जनपद के क़स्बा बिरधा के सांस्कृतिक कलाकार जितेंद्र कुमार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ जी ने उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान से सम्मानित किया जिसको लेकर बिरधा क्षेत्र बासियो में खुशी की लहर दौड़ गईं अयोध्या से बापिस आते हुए बिरधा आने पर क़स्बा बिरधा बासियो ने गाजे बाजे धूमधाम से भव्य स्वागत किया क़स्बा बिरधा में

जगह जगह जितेंद्र कुमार व उनके कलाकारों फूल मलाओ से भव्य स्वागत किया इस मौक़े पर राजकुमार शर्मा भूषण तिवारी के पी बुंदेला भाजपा किसान मौर्चा जिलाध्यक्ष सुरेश टोंटे अमर सिंह विश्वकर्मा जिलापंचायत सदस्य जाखलौन रामु कुशवाहा जिला पंचायत सदस्य बिरधा संजय मोदी करीम खान शब्बीर खान दौलतराम विश्वकर्मा लक्ष्मण सिंह प्यारेलाल साहू कमलेश सविता कल्याण रजक घनश्याम दास कुशवाहा नंदकिशोर कुशवाहा अजित सिंह ग्राम प्रधान कुमरौल जगदीश कुशवाहा अरविंद्र साहू कोमल चंदेल खालिद खान नबाब शाह नत्थू साहू गोरेलाल साहू रविन्द्र साहू रामकुमार साहू प्रमोद कुशवाहा राजीव साहू धर्मपाल सिंह गौरव पाराशर अंग्रेश शर्मा जितेंद्र सिंह जगन लाल एडवोकेट राजेंद्र सिंह बुंदेला शेरसिंह हरगोविंद रजक एवं सेकड़ो गाँव बासी एवं क्षेत्र बासी मौजूद रहे।

बर्फ में तब्दील हुआ तालाब तो मगरमच्छ भी जम गया, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

कैरोलिना । जानवर भी खुद को विपरीत परिस्थितियों में जिंदा रखने के लिए भरसक कोशिश करते हैं। ऐसा ही एक वीडयो खूब देखा जा रहा है जिसमें एक मगरमच्छ अपने आप को बर्फीले तालाब में जिंदा रखने की कोशिश कर रहा है। जमे हुए बर्फीले पानी में खुद को जीवित रखने के लिए जुगाड़ लगाते एक घड़ियाल का यह वीडियो देख हर कोई हैरान है। वीडियो में देखा जा सकता है कि कैसे घड़ियाल ठंडे तापमान में अपनी एनर्जी बचाते हैं। फुटेज में घड़ियाल को दम घुटने से बचने के लिए जमे हुए तालाब की बर्फ से अपनी नाक को बाहर करते हुए देखा जा सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार घड़ियाल को अमेरिका के उत्तरी कैरोलिना में ओशन आइल बीच के पास एक पर्यटक आकर्षण और मगरमच्छ अभयारण्य, स्वैम्प पार्क में विशाल तालाब के आकार के बर्फ के टुकड़ों के अंदर जमा हुआ देखा गया था। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, बस यह जानने की प्रवृत्ति अद्भुत है। दूसरे ने लिखा, यह आश्चर्यजनक है, मैंने पहले सोचा कि यह मर चुका है। तीसरे ने लिखा, यह वास्तव में अच्छा है! मैंने आज कुछ नया सीखा। गौरतलब है कि मगरमच्छ अपने तापमान को नियंत्रित नहीं कर सकते हैं, इसलिए वे बर्फीले हालात में ब्रूमेशन की स्थिति में जाकर जीवित रहते हैं। दरअसल यह प्रक्रिया स्तनधारियों, गर्म रक्त वाले जानवरों के हाइबरनेट के समान है। हाइबरनेशन के दौरान, एक जानवर की हृदय गति और सांस धीमी हो जाती है और उनके शरीर का तापमान काफी कम हो जाता है जिससे उन्हें कम ऊर्जा खर्च करने में मदद मिलती है। मगरमच्छों के मामले में जब बर्फ के क्रिस्टल बनने लगते हैं, तो उनका मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है और उनका थका हुआ शरीर धीरे-धीरे आंखें बंद करके जमे हुए पानी में लटक जाता है। स्वैम्प पार्क के प्रवक्ता ने कहा, वे सहज रूप से अपनी नाक ऊपर की ओर उठाते हैं ताकि उनका दम घुटने से बच जाए, और वे सांस ले सकें।

2 साल के बच्चे ने कर दिया कमाल....माउंट एवरेस्ट के बेस कैंप पहुंचा

ग्वासगो । 2 साल की उम्र में बच्चे चलना-भागना सीखते हैं, लेकिन स्कॉटलैंड के एक बच्चे ने इसी उम्र में ऐसा रिकॉर्ड बना डाला कि जो इतिहास में आज तक कोई नहीं कर पाया। इस छोटी सी उम्र में ही वह दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट के बेस कैंप तक पहुंचने वाला बच्चा बन गया। रिपोर्ट के मुताबिक, 2 साल का कार्टर डलास अपनी मां जेड और पिता रॉस की पीठ पर बैठकर यह सफर पूरा किया। ग्वासगो के रहने वाले रॉस और 31 वर्षीय जेड एक साल के लिए एशिया की यात्रा पर निकले हुए हैं। बच्चे को भी साथ लेकर ट्रैवल कर रहे हैं। तीनों ने 25 अक्टूबर को नेपाल में समुद्र तल से 17,598 फीट की ऊंचाई पर स्थित दक्षिणी स्थल पर चढ़ाई की और बेस कैंप तक पहुंच गए। इससे पहले यह रिकॉर्ड चेक गणराज्य के एक चार वर्षीय बच्चे के नाम था।

कार्टर हमसे ज्यादा उत्साहित

रॉस ने कहा, कार्टर हमसे ज्यादा उत्साहित लग रहा था। मुझे और जेड को थोड़ी ऊंचाई सांस लेने में तकलीफ हुई लेकिन वह बिल्कुल ठीक था। बेस कैंप से पहले गांवों में दो डॉक्टर तैनात थे। उन्होंने हमारा ब्लड टेस्ट किया। उसका भी ब्लड टेस्ट किया, लेकिन वह हमारे मुकाबले ज्यादा स्वस्थ था। मेरे लिए यह भावुक कर देने वाला पल है। 35 वर्षीय रॉस ने कहा, काठमांडू पहुंचने के 24 घंटों के भीतर हमने चढ़ाई शुरू कर दी थी। हम पहले से अच्छी तरह से तैयार थे। नियमित रूप से लंबी सांस लेने की तकनीक का अभ्यास कर रहे थे। हम खुद बर्फ के पानी से नहाते ही थे, कार्टर को भी इसी पानी स्नान कराते थे, ताकि बेस कैंप पर कोई दिक्कत न आए। रॉस और जेड के साथ एक ट्रेनर भी था। रॉस ने कार्टर को पीठ पर बांधकर ट्रैकिंग पूरी की। रॉस ने कहा, मेरा मकसद अपने बच्चे को दुनिया की विभिन्न संस्कृतियों से रूबरू करवाना है। वह भाषाएं सीख रहा है और एक बेहतर इंसान बनने की प्रक्रिया में है। हमारे लिए यह देखना काफी सुखद है।

सीरिया-जॉर्डन सीमा पर अमेरिकी सेना पर हमला, इस संगठन ने ली जिम्मेदारी

बगदाद। इराक में ईरान समर्थित आतंकवादी संगठन इस्लामिक प्रतिरोध ने सीरिया-जॉर्डन सीमा पर अमेरिकी सेना पर हुए हमले की जिम्मेदारी ली है। आतंकवादी संगठन ने कहा कि इसतरह के हमले लगातार जारी रहने वाले है। गाजा में हमारे लोगों के खिलाफ जायोनिस्ट इकाई के नरसंहार के जवाब में इराक में इस्लामी प्रतिरोध के मुजाहिद्दीनों ने आज सुबह हमला किया। यह हमला सीरिया स्थित तीन जगह अल शहादी बेस, अल रुकवान बेस और अल तनफ बेस पर किया गया। इसके अलावा फिलिस्तीनी क्षेत्र के अंदर एक चौथे बेस पर भी हमला किया गया। आतंकवादी संगठन का दावा है कि हमले में ड्रोन का उपयोग किया और यह हमला इराक सहित अन्य जगहों पर अमेरिकी कब्जे वाली ताकतों का विरोध करने का लिए किया गया। बता दें कि सीरिया जॉर्डन सीमा पर हुए हमले में तीन अमेरिकी सेवा के जवान मारे गए थे जबकि 34 अन्य लोग घायल हुए थे।

ग्रामीण इलाके में छोटा विमान क्रेश होने से पांच की मौत

साओ पाउलो। दक्षिण-पूर्वी ब्राजील में मिनस गेरैस राज्य के ग्रामीण इलाके इतापेवा में एक छोटा विमान क्रेश होने से पांच लोगों की मौत के समाचार मिले हैं। मिली जानकारी के अनुसार यहां रविवार को एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। राज्य के अग्निशमन विभाग ने यह जानकारी दी है। विभाग की प्रारंभिक रिपोर्ट से पता चला है कि विमान में दो अन्य लोग भी सवार थे, लेकिन उनका अभी तक कोई पता नहीं चल पाया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जमीन पर गिरने से पहले विमान में हवा में ही भारी विस्फोट हो गया था। यहां के निवासियों के अनुसार दुर्घटना स्थानीय समयानुसार पूर्वाह्न 10:30 बजे हुई। बताया जा रहा है कि उस समय उस क्षेत्र में तेज बारिश और हवा के साथ तूफान का प्रकोप बरकरार था।

48 घंटों के दौरान इजरायली सेना ने 350 फिलिस्तीनियों की जान ली

गाजा। गाजा में हमास द्वारा संचालित सरकार ने दावा किया है कि इजरायली सेना ने दक्षिणी गाजा पट्टी के खान यूनिस में पिछले 48 घंटों में कम से कम 350 फिलिस्तीनियों को मार डाला है। रविवार को जारी किए गए बयान में कहा गया कि चिकित्सा दल की टीमें सड़कों पर बिखरे हुए कई शवों तक पहुंचने में असमर्थ थीं। बयान में कहा गया कि स्थानीय निवासियों को मृतकों को शहर के नासिर अस्पताल के प्रांगण में दफनाना पड़ा, क्योंकि वे उन्हें खान यूनिस कब्रिस्तान में नहीं ले जा सकते थे। इस बीच, हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को कहा कि इजरायली सेना द्वारा नाकाबंदी के कारण नासिर अस्पताल चिकित्सा कचरे से भर गया है। मंत्रालय ने कहा कि एन्क्लेव में कम से कम 7,000 घायल और बीमार लोगों को जीवन रक्षक उपचार की तत्काल आवश्यकता है। इधर फिलिस्तीन रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने एक बयान में इजरायली बलों द्वारा जारी घेराबंदी के बीच खान यूनिस के अल-अमल अस्पताल में ऑक्सीजन की आपूर्ति में कमी के बारे में जानकारी दी है। जिससे अस्पताल में चिकित्सा टीमों के लिए सर्जिकल ऑपरेशन करना मुश्किल हो गया है। हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार सात अक्टूबर 2023 को शुरू होने के बाद से इज़रायल और हमास के बीच महीनों तक चले संघर्ष के कारण गाजा में फिलिस्तीनी लोगों की मृत्यु 26,422 हो गई है, जबकि 65,087 घायल हुए है।

मुगेसेरा नदी में नाव डूबने से सोलह लोगों की मौत

नगोमा। नगोमा जिले के रुकुम्बरी सेक्टर में मुगेसेरा नदी में एक नाव डूबने ने सोलह लोगों की मौत हो गई है। बचाव दल के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार यह दुर्घटना शुक्रवार शाम रवामागाना जिले में मुगेसेरा नदी पर हुई।

काबुल के पगमान इलाके में बर्फबारी का एक दृश्य।

पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने दी अमेरिकी सीमा पर बड़े आतंकी हमले की चेतावनी

वाशिंगटन । अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोलाल्ड ट्रंप ने देश की सीमाओं पर बड़े आतंकी हमले की चेतावनी दी है। उन्होंने लिखा तीन साल पहले तक हमारी सीमाएं अमेरिका के इतिहास में सबसे मजबूत और सुरक्षित थीं। आज तबाही का इंतजार हो रहा है। यह दुनिया के इतिहास की सबसे खराब सीमाएं हैं और यह हमारे देश के लिए खुले घाव जैसी हैं। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने आशंका जताई है कि अमेरिका में सीमा के नजदीक बड़ा आतंकी हमला हो सकता है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा कि अमेरिका-मैक्सिको बॉर्डर को लेकर हो रही डील तबाही ला सकती है। उन्होंने अमेरिका के दक्षिणी बॉर्डर को दुनिया के इतिहास में सबसे बुरा बताया और आशंका जताई कि अमेरिका में बड़ा आतंकी हमला हो सकता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर साझा किए पोस्ट में ट्रंप ने लिखा कि पूरी दुनिया के आतंकी हमारे देश में बिना किसी जांच के घुस रहे हैं। 100 प्रतिशत आशंका है कि अमेरिका में सीमा के नजदीक कोई बड़ा आतंकी हमला हो सकता है। जबकि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन यूएस-मैक्सिको बॉर्डर पर अमेरिकी संसद में समझौते की बात कर रहे हैं। वहीं ट्रंप रिपबल्किन पार्टी के सांसदों से अपील कर रहे हैं कि वह किसी भी डील में शामिल न हों। पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि एक बुरी डील से अच्छा है कि कोई डील ही न हो। बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका में अवैध रूप से आ रहे शरणार्थियों के मुद्दे पर जो बाइडन को घेर रहे हैं। माना जा रहा है कि इस साल नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में भी अवैध शरणार्थियों का मुद्दा सबसे अहम होगा। यही वजह है कि ट्रंप इस मुद्दे पर जो बाइडन की सरकार को घेरने का कोई मौका नहीं छोड़ना चाहते। हालां ?कि बाइडन भी इस बात को जानते हैं, तभी उन्होंने अपने एक बयान में एलान किया है कि अगर कांग्रेस समझौते करती है तो वह यूएस-मैक्सिको बॉर्डर को पूरी तरह से बंद कर देंगे।

ड्रोन हमलों के बाद ईरान-पाकिस्तान एक साथ बैठकर सुलझाएंगे मसले

-बढ़ते तनाव को कम करने विदेश मंत्री हुसैन पहुंचे पाकिस्तान, पीएम से करेंगे मुलाकात

करांची (एजेंसी)। ईरान और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को कम करने अब दोनों देश एक साथ बैठकर मसला सुलझाने जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार ईरान के विदेश मंत्री हुसैन पाकिस्तान पहुंच गए हैं। वे वहां कार्यवाहक प्रधानमंत्री से मुलाकात करेंगे। ड्रोन हमलों के बाद यह पहली महत्वपूर्ण मुलाकात है और दोनों देश आज संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस भी कर सकते हैं।पाकिस्तान और ईरान के बीच हुए ड्रोन हमले के बाद दोनों देशों के बीच तनाव लगातार बढ़ता चला जा रहा था और दोनों देशों ने अपने-अपने देश के राजदूतों को भी काम पर ना भेजने का फैसला किया था। इस बीच दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच फोन पर दो बार बातचीत थी और इसके बाद पाकिस्तान ने ईरान के विदेश मंत्री को अपने यहां आने का निमंत्रण दिया, जिसके बाद ईरान के विदेश मंत्री हुसैन अमीर-अब्दुल्लाहियन पाकिस्तान पहुंच चुके हैं। ईरान के विदेश मंत्री वहां पाकिस्तान के कार्यवाहक पीएम के अलावा जलील अब्बास जिलानी से भी बातचीत करेंगे।

कहा जा रहा है कि बैठक के बाद दोनों देशों के द्वारा एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की जा सकती है, जिसमें दोनों देश के बीच तनाव घटाने समेत कुछ महत्वपूर्ण घोषणा हो सकती है। बता दें कि पाकिस्तान ने ईरान में अपने नौ नागरिकों की निर्मम हत्या की व्यापक जांच कराने की मांग की है। सीमा पार से एक-दूसरे के खिलाफ गोलाबारी के बाद दोनों देशों के बीच आए तनाव के कुछ दिनों बाद यह घटना हुई थी। पाकिस्तान की सीमा से सटे ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में शनिवार को अज्ञात हमलावरों ने नौ पाकिस्तानी श्रमिकों की गोली मारकर हत्या कर दी और तीन अन्य को घायल कर दिया था।

ईरान के मीडिया में आई खबरों के अनुसार प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि अज्ञात हथियारबंद लोगों ने सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में सरवन शहर के पास स्थित सिरकन में एक घर में नौ गैर-ईरानी लोगों की हत्या कर दी। हालांकि किसी भी समूह या व्यक्ति ने तत्काल हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने हमले की व्यापक जांच और इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ त्वरित मुकदमा चलाने की मांग की है। इधर विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलूच ने कहा कि हम ईरानी अधिकारियों के संपर्क में हैं और घटना की तुरंत जांच कर अपराधियों को जिम्मेदार ठहराने की आवश्यकता पर जोर दे रहे हैं।

राष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल होकर मैनचिन बिगाड़ सकते हैं ट्रंप-बाइडेन का खेल

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव को लेकर एक और नया नाम सीनेटर जो मैनचिन का उभर कर सामने आया है। चुनाव को लेकर सीनेटर जो मैनचिन ने कहा कि वो बिल्कुल खुद को राष्ट्रपति के रूप में देख सकते हैं। वेस्ट वर्जीनिया डेमोक्रेट कैरोलिना और जॉर्जिया जैसे राज्यों में अपनी यात्रा के दौरान कहा कि उनका मानना है कि उनकी एक राष्ट्रीय महत्व की भूमिका है। मैनचिन बाइडेन के साथ एक बैठक भी करने वाले हैं, ताकि वो राष्ट्रपति से उनके प्रचार के तरीके को बदलने की अपील कर सकें।

बता दें कि मैनचिन व्हाइट हाउस में ट्रंप की वापसी की संभावना को हर उस व्यक्ति के लिए बहुत चिंताजनक बतातें है जो देश से प्यार करता है। इस बीच, मैनचिन में बाइडेन के एजेंडे को उलटने की तीन साल की थकावट ने राष्ट्रपति और शीर्ष सहयोगियों को दूरी बनाए रखने के लिए मजबूर कर दिया है, वे सीधे उनके पास जाकर उन्हें नाराज करने का जोखिम उठाए बिना यह बताने की कोशिश कर रहे हैं कि वह क्या कर रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि मैनचिन अंततः स्वतंत्र चुनाव के खिलाफ खुद ही निर्णय लेंगे। लेकिन वे जानते हैं कि काउंटी की यात्रा कर रहे एक डेमोक्रेटिक सीनेटर ने चेतावनी दी है कि बाइडेन को राजनीतिक वामपंथ की ओर बहुत दूर खींच लिया गया है।

इमैनुएल मैक्रों की भारत यात्रा से घबराए शी जिनपिंग

- चीन-फ्रांस संबंधों की देने लगे हैं दुहाई

बीजिंग (एजेंसी)। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की भारत यात्रा से चीन कुछ घबराया हुआ लग रहा है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग अब चीन-फ्रांस संबंधों की दुहाई देने लगे हैं। उन्होंने इसे लेकर नई जमीन तैयार करने की पेशकश की है। दरअसल, मैक्रों की भारत के 75वें गणतंत्र दिवस पर ऐसे वक्त चीफ गेस्ट के तौर पर नई दिल्ली पहुंचे जब चीन और फ्रांस अपने कूटनीतिक रिश्ते की 60वीं एनिवर्सरी मना रहे हैं। राष्ट्रपति जिनपिंग ने अपने मैसेज में कहा कि आज फिर से दुनिया एक नाजुक मोड़ पर खड़ी है। ऐसे में चीन और फ्रांस को मिलकर शांति, सुरक्षा, भाईचारे और प्रगति के लिए रास्ता तैयार करना चाहिए। मानव विकास के लिए यह जरूरी है। शी जिनपिंग ने कहा कि चीन द्विपक्षीय संबंधों को मजूबत करने पर जोर देता है। वह मैक्रों के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार हैं। वह राजनयिक संबंधों की 60वीं वर्षगांठ को बुनियादी सिद्धांतों को बनाए रखने, नई जमीन तलाशने और नया रास्ता खोलने के अवसर के रूप में देखते हैं। चीन और फ्रांस की रणनीतिक साझेदारी को और अधिक मजबूती देनी है। विदेश मंत्री वांग यी का भी इस मौके पर बयान आया। उन्होंने कहा कि चीन ने अपने यहां फ्रांस से आयात बढ़ाने की पेशकश की है। हम उपभोक्ता और निवेश बाजार की मांग को पूरा करना जारी रखेंगे। फ्रांस से हाई क्वालिटी वाले प्रोडक्ट और सर्विस के आयात बढ़ावा दिया जाएगा। गौरतलब है कि चीनी आलाकमान की ओर से फ्रांस के साथ रिश्ते मजबूत करने की बातें ऐसे समय हो रही हैं, जब मैक्रों ने भारत से कई अहम समझौते किए हैं। नई दिल्ली यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति मैक्रों के बीच लंबी बातचीत हुई। इसके बाद दोनों देशों ने सैन्य साजोसामान साथ मिलकर महत्वाकांक्षी औद्योगिक रोडमैप जारी किया।

गाजा में नरसंहार पर अंतरराष्ट्रीय कोर्ट गंभीर, युद्धविराम की बताई जरूरत

न्यूयार्क (एजेंसी)। गाजा में चल रहे संघर्ष को लेकर अंतरराष्ट्रीय कोर्ट गंभीर है। उसने यहां पर युद्धविराम की जरूरत बताई है। दरअसल इजराइल फिलिस्तीनियों के खिलाफ नरसंहार को दक्षिण अफ्रीका ने उठाया था। इस महीने की शुरुआत में अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) में 17 न्यायाधीशों के एक पैनल द्वारा इस मामले को सुना गया था। 26 जनवरी को विश्व अदालत ने इज़राइल को नरसंहार के कृत्यों को रोकने के लिए अपनी शक्ति के भीतर सभी उपाय करने का निर्देश दिया, हालांकि, पूर्ण युद्धविराम का आह्वान करने से रोक दिया। इज़राइल के इस तर्क को खारिज करते हुए कि अदालत के पास अंतरिम उपायों का आदेश देने का अधिकार क्षेत्र नहीं है। ये फैसले ऐसे समय में आए हैं जब युद्धविराम के लिए अंतरराष्ट्रीय मांगें बढ़ रही हैं, जिससे हाल के हफ्तों में इजरायल और उसके अमेरिकी समर्थकों पर दबाव बढ़ाया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण अफ्रीका ने 11 और 12 जनवरी को दो दिवसीय सुनवाई के दौरान विश्व अदालत को बताया कि गाजा पट्टी में इज़राइल की कार्रवाई 1948 के नरसंहार सम्मेलन का उल्लंघन था, जिसमें इज़राइल एक पक्ष है।

इस दौरान दक्षिण अफ्रीका के सरकारी वकीलों ने कहा कि इज़रायली नेताओं का इरादा गाजा में रहने

वाले फ़िलिस्तीनियों के लिए मौत की स्थितियाँ पैदा करना था। इज़राइली अधिकारियों द्वारा वीडियो और सार्वजनिक बयान अदालत में प्रस्तुत किए गए, उनमें रक्षा मंत्री योव गैलेंट का अक्टूबर का बयान भी शामिल था कि इज़राइल इस क्षेत्र की पूर्ण घेराबंदी करेगा। उन्होंने कहा क्योंकि यह मानव जानवरों के साथ युद्ध में लगा हुआ थकि जबकि नरसंहार के आरोप को इजरायली वकीलों ने सिरे से खारिज कर दिया है। उसका दावा है कि देश की सेना ने अक्टूबर के अंत में आक्रमण से पहले नागरिकों को खाली करने के लिए पर्याप्त नोटिस दिया था। संघर्ष की शुरुआत में बंद होने के बाद इज़राइल ने सहायता वितरण शुरू कर दिया था। नागरिकों को नुकसान से बचाने के अपने प्रयास जारी रखे थे।

दक्षिण अफ्रीका द्वारा लाए गए नरसंहार के मामले में अदालत ने इजरायली नेताओं को कुछ और राहत की पेशकश की, जो दुनिया के सबसे कठिन संघर्षों में से एक है। अदालत के अध्यक्ष जोन ई. डोनॉग्यू ने यह स्वीकार करने से पहले कहा कि अदालत इस क्षेत्र में सामने आ रही मानवीय त्रासदी की सीमा से पूरी तरह अवगत है और जीवन की निरंतर हानि और मानवीय पीड़ा के बारे में गहराई से चिंतित है। इस फैसले ने इजराइल के युद्धकालीन आचरण की भारी भर्त्सना की। लगभग 4 महीने पुराने हमले को रोकने के लिए बढ़ते अंतरराष्ट्रीय दबाव को भी जोड़ा गया और बताया गया कि इसमें 26,000 से अधिक फिलिस्तीनियों की मौत हो गई।

मंगल पर मंगल ही मंगल: नासा ने खोज निकाली 3 अरब साल पुरानी पानी से भरी झील

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। मंगल ग्रह को जानने के लिए दुनियाभर के वैज्ञानिक रिसर्च कर रहे हैं। रिसर्च में सबसे बड़ी खोज मानव जीवन की तलाश है। पहली बार वैज्ञानिकों ने मंगल ग्रह पर प्राचीन झील होने का दावा किया है। इससे लाल ग्रह पर जीवन की संभावना बढ़ गई है। नासा द्वारा मार्श ग्रह पर भेजे गए रोवर द्वारा एकत्रित डेटा से लाल ग्रह पर प्राचीन झील तलछट की पुष्टि हुई। रोवर से प्राप्त डेटा के अनुसार वैज्ञानिकों ने प्राचीन झील की उम्र 3 अरब साल होने का अनुमान लगाया है। वैज्ञानिक भविष्य में पृथ्वी पर परिवहन के लिए पर्सीवरेंस द्वारा एकत्र किए गए नमूनों में जेरेज़ो के तलछट की बारीकी से जांच करने के लिए उत्सुक हैं। यह रोवर मंगल पर फरवरी 2021 में जहां यह उतरा था, उसके करीब चार स्थानों पर पर्सिवियरेंस द्वारा ड्रिल किए गए प्रारंभिक कोर नमूनों के दूरस्थ विश्लेषण ने शोधकर्ताओं को उस चट्टान का खुलासा करके आश्चर्यचकित कर दिया, जो अपेक्षा के अनुरूप तलछटी के बजाय ज्वालामुखी प्रकृति की थी। दोनों अध्ययन विरोधाभासी नहीं हैं।

यहां तक कि ज्वालामुखीय चट्टानों में भी पानी के संपर्क में आने से बदलाव के संकेत मिले हैं और अगस्त 2022 में उन निष्कर्षों को प्रकाशित करने वाले वैज्ञानिकों ने तब तर्क दिया था कि जमी तलछटी नष्ट हो गई होगी। दरअसल, शुक्रवार को रिपोर्ट की गई रिमफैक्स राडार रीडिंग में क्रेटर के पश्चिमी किनारे पर पहचानी गई तलछटी परतों के निर्माण से पहले और बाद में कटाव के संकेत मिले, जो वहां के एक जटिल भूवैज्ञानिक इतिहास का सबूत है। वहां ज्वालामुखीय चट्टानें थीं जिन पर हम उतरे। पेगे ने कहा यहां वास्तविक खबर यह है कि अब हम डेल्टा की ओर बढ़ चुके हैं और अब हम इन झील के तलछटों के साक्ष्य देख रहे हैं, जो हमारे इस स्थान पर आने के मुख्य कारणों में से एक है। तो उस संबंध में यह एक सुखद कहानी है।

नवीनतम अध्ययन ने इस पुष्टि का स्वागत करते कहा है कि वैज्ञानिकों ने आखिरकार इस ग्रह पर सही जगह पर अपने भू-जैविक मंगल प्रयास को अंजाम दिया है। शुक्रवार को प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, नासा के रोवर पर्सिवियरेंस ने पानी द्वारा जमी प्राचीन झील तलछट के अस्तित्व की पुष्टि करने वाले डेटा एकत्र किए हैं, जो कभी मंगल ग्रह पर जेरेज़ो क्रेटर नामक एक विशाल बेसिन को भरते थे। रोबोटिक रोवर द्वारा किए गए ग्राउंड-पेनेट्रेटिंग रडार अवलोकनों के निष्कर्ष पिछले कक्षीय इमेजरी और अन्य डेटा की पुष्टि करते हैं, जिससे वैज्ञानिकों को यह सिद्धांत मिला है कि मंगल के ये हिस्से एक बार पानी से ढके हुए थे और वहां माइक्रोबियल जीवन हो सकता है। लॉस एंजिल्स में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय (यूसीएलए) और ओस्लो विश्वविद्यालय की टीमों के नेतृत्व में किया गया शोध साइंस एडवांसेज जर्नल में प्रकाशित हुआ है।

रोवर ने किया मंगल के उपसतह का स्कैन

वर्ष 2022 में कई बार कार के आकार के छह-पहियों वाले रोवर ने मंगल ग्रह के उपसतह

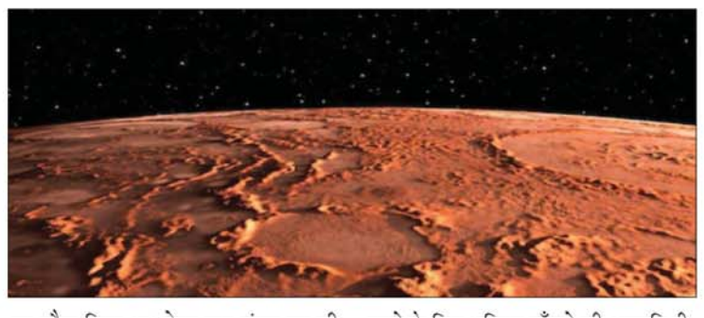

का स्कैन किया था। रोवर जब मंगल ग्रह की सतह के पार कक्षा से मिलते-जुलते, तलछटी जैसी विशेषताओं के आसन्न विस्तार पर क्रेटर अपना रास्ता बना रहा था। यह विश्लेषण उसी पर आधारित हे जो, पृथ्वी पर पाए जाने वाले नदी के डेल्टा जैसा है। यूसीएलए के पहले लेखक व ग्रह वैज्ञानिक डेविड पेज ने कहा, रोवर के रिमफैक्स राडार उपकरण की ध्वनि ने वैज्ञानिकों को 65 फीट (20 मीटर) गहरी चट्टान की परतों का क्रॉस-सेक्शनल दृश्य प्राप्त करने के लिए भूमिगत झाँकने की अनुमति दी, लगभग सड़क के कट जैसा दिखने वाली परतें इस बात का अचूक सबूत देती हैं कि पानी द्वारा लाई गई मिट्टी की तलछट जेरेज़ो क्रेटर और उसके डेल्टा में एक नदी से जमा हुई थी जो इसे पोषित करती थी। ठीक उसी तरह जैसे वे पृथ्वी पर झीलों में मौजूद हैं। निष्कर्षों ने उस बात को पुष्टि की है, जो पिछले अध्ययनों ने लंबे समय से सुझाई थी - कि ठंडा, शुष्क, बेजान मंगल ग्रह कभी गर्म, गीला और शायद रहने योग्य था।

अंडर 19 विश्व कप सुपर सिक्स में आज न्यूजीलैंड से होगा भारतीय टीम का मुकाबला

ब्लोमफोंटेन (एजेंसी)। भारतीय अंडर टीम मंगलवार को यहां अंडर 19 विश्व कप में सुपर सिक्स चरण के मुकाबले में न्यूजीलैंड से खेलेगी। भारतीय टीम ने अब तक अपने तीनो ही मैच जीते हैं जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं और वह इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार रहेगी। भारतीय टीम बांग्लादेश, आयरलैंड और अमेरिका को हराकर ग्रुप ए में शीर्ष पर रहने के साथ ही सुपर सिक्स में पहुंची है। भारतीय टीम ने इसी मैदान पर अपने तीनों मैच जीते हैं जिसके कारण भी भारतीय टीम यहां के हालातों को जानती है जिसका लाभ उसे कीवी टीम के खिलाफ मुकाबले में मिलेगा। दूसरी ओर न्यूजीलैंड टीम ईस्ट लंदन से आई है और उसके लिए एकदम से हालात के अनुरूप ढलना आसान नहीं होगा। की टीम ग्रुप डी में तीन मैचों में दो जीत के बाद दूसरे स्थान पर रही है पर उसके बल्लेबाज अब तक इस टूर्नामेंट में सहज नहीं दिखे और संघर्ष करते रहे हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ 91 रन के लक्ष्य का पीछा करने में भी उसे आसानी से जीत नहीं मिली। इसके अलावा पाकिस्तान के खिलाफ उसे 10 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। उसे अगर जीत दर्ज करनी है तो बड़ा लक्ष्य भारतीय टीम को देना होगा।

पहले मैच में बांग्लादेश के खिलाफ हालांकि भारतीय टीम को कुछ संघर्ष करना पड़ा पर बचे हुए दोनों मैचों में भारत ने अच्छी जीत हासिल की। भारत के लिए सकारात्मक बात ये रही है कि एक या दो बल्लेबाजों ने जिम्मेदारी लेकर रन बनाए हैं। वहीं तीसरे नंबर के बल्लेबाज मुशीर खान ने भी लगातार अच्छी पारियां खेली हैं। सरफराज खान के छोटे भाई मुशीर एक शतक और एक अर्धशतक लगाकर सबसे अधिक रन बनाने वालों में तीसरे नंबर पर हैं।

वहीं बल्लेबाज आदर्श सिंह अच्छी शुरूआत को बड़ी पारियों में नहीं बदल पाए और ऐसे में अब उनका इरादा बड़ा स्कोर बनाने का होगा। इसके अलावा सलामी बल्लेबाज अर्शिन कुलकर्णी का आत्मविश्वास भी शतक के बाद बढ़ा है। भारतीय टीम के कप्तान उदय सहारन ने भी अब अच्छी बल्लेबाज की है और वह इस सिलसिले को बरकरार रखना चाहेंगे। वहीं गेंदबाजी में बायें हाथ के तेज गेंदबाज नमन तिवारी और स्पिनर सौम्य पांडे ने भी अब प्रभावी भूमिका निभाई है। पिछले दो मैचों में नमन ने चार जबकि सौम्य ने आठ विकेट लिए हैं।

टीम

भारत = उदय सहारन (कप्तान), अर्शिन कुलकर्णी, आदर्श सिंह, रुद्र मयूर पटेल, सचिन धस, प्रियांशु मोलिया, मुशीर खान, अरवेल्ली अवनीश राव, सौम्य कुमार पांडे, मुरुगन अभिषेक, इनेश महाजन, धनुष गौड़ा, आराध्या शुक्ला, राज लिम्बानी और नमन तिवारी

न्यूजीलैंड = आस्कर जैकसन (कप्तान), मेसन क्लार्क, सैम क्लोड, जैक कमिंग, रहमान हिकमत, टॉम जोंस, जेम्स नेलसन, स्नेहित रेड्डी, मैट रोव, एवाल्ड श्रूडर, लाचलान स्टैकपोल, ओलिवर तेवतिया, एलेक्स थॉम्पसन, रियान सोरगास, ल्यूक वाटसन।

जड़ेजा और राहुल दूसरे टेस्ट से बाहर, सरफराज, सौरभ और सुंदर शामिल

मुम्बई (एजेंसी)। रवींद्र जड़ेजा और केएल राहुल को चोटिल होने के कारण इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम मे शामिल नहीं किया गया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए टीम में युवा सरफराज खान, सौरभ कुमार और वाशिंगटन सुंदर को शामिल किया है। भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा टेस्ट 2 फरवरी से विशाखापटनम में खेला जाएगा।

बीसीसीआई ने कहा कि जडेजा और राहुल को दूसरे आईडीएफसी फर्स्ट बैंक टेस्ट के लिए टीम में जगह नहीं दी है। हैदराबाद में पहले टेस्ट के चौथे दिन जडेजा की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था जबकि राहुल ने भी दर्द की शिकायत की थी। इसी कारण इस दोनों खिलाड़ियों की जगह युवाओं को अवसर दिया गया है। बीसीसीआई की मेडिकल टीम दोनों की प्रगति पर नजर रख रही है।

बीसीसीआई ने साथ ही कहा, पुरुष चयन समिति ने सरफराज खान, सौरभ कुमार और वाशिंगटन सुंदर को भारत की टीम में शामिल किया है। वहीं सारांश जैन को एक फरवरी से अहमदाबाद में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ शुरू होने वाले तीसरे और अंतिम मल्टी-डे गेम के लिए भारत ए टीम में वाशिंगटन सुंदर की जगह पर शामिल किया गया है।

इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए भारतीय टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), शुबमन गिल, यशस्वी जयसवाल, श्रेयस अय्यर, केएस भरत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, जसप्रीत बुमराह (उप-कप्तान), अवेश खान, रजत पाटीदार, सरफराज खान, वाशिंगटन सुंदर, सौरभ कुमार।

हार का कारण बताना मुश्किल पर शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों की विफलता निराशाजनक : रोहित

हैदराबाद (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि इंग्लैंड के खिलाफ यहां पहले ही टेस्ट में मिली हार के सही कारण को बताना मुश्किल है। रोहित ने कहा कि शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों की निराशा और जुनून की कमी टीम में देखी गयी जो निराशाजनक बात है। उन्होंने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों की असफलता पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि उनमें जुझारूपन और जज्बे की कमी थी। इस मैच में जीत के लिए भारतीय टीम को 231 रन का लक्ष्य मिला जिसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 202 रन ही बना पायी। भारतीय टीम को मिली ये हार इसलिए भी निराशाजनक है क्योंकि पहली पारी में उसे 190 रन की बड़ी बढ़त मिली थी। रोहित ने मैच के बाद कहा, 'यह बताना कठिन है कि गलती कहां हुई। 190 रन की बढ़त से हमने दबाव बनाया था पर विरोधी टीम के ओली पोप ने 196 रन बनाकर हालात बदल दिये। उसने शानदार बल्लेबाजी की जो शायद किसी मेहमान टीम के खिलाड़ी की भारतीय हालात में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी में से एक थी। उन्होंने कहा, 'मुझे लगा कि 230 रन का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है पर ऐसा नहीं हुआ। हमें लगा कि हमने सही लाइन एवं लेंथ में गेंदबाजी की पर ये मानना होगा कि ओली ने बहुत अच्छा खेला। रोहित ने कहा, 'एक या दो चीजों को देखना कठिन है। हम लक्ष्य तक पहुंचने के लिए अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर सके। 20 से 30 रन से कुछ भी संभव है। हमारे निचले क्रम ने अच्छा संघर्ष दिखाया और शीर्ष क्रम को दिखाया कि कैसे अच्छी बल्लेबाजी की जाने चाहिये।

शुभमन की जगह खतरे में पड़ी, सरफराज और रजत दे रहे टक्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से अच्छा नहीं रहा है और ऐसे में टीम में उनकी जगह खतरे में नजर आ रही है। पिछले कुछ समय में उनका औसत गिरकर औसत 13.20 पर पहुंच गया है। शुभमन के इस प्रदर्शन के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के लिए उन्हें टीम में बनाये रखना बेहद कठिन हो गया है। हैदराबाद टेस्ट में इंग्लैंड ने जिस प्रकार वापसी करते हुए जीत दर्ज की है। उसके बाद भारतीय टीम मैनेजमेंट को बड़ा फैसला लेना ही होगा। वहीं इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने साफ कहा कि शुभमन गिल को कोच राहुल द्रविड़ के साथ नेट्स पर समय बिताना चाहिए।

भारत को इंग्लैंड के खिलाफ अगला टेस्ट मैच 2 फरवरी से विशाखापत्तनम में खेलना है। हैदराबाद टेस्ट में 28 रन की हार के बाद भारतीय टीम पर वापसी का दबाव रहेगा। हैदराबाद टेस्ट में कुछ खिलाड़ियों का

प्रदर्शन अच्छा रहा, तो ज्यादातर का औसत जबकि दो खिलाड़ी पूरी तरह विफल रहे। पहली पारी में 23 रन बनाने वाले शुभमन दूसरी पारी में खाता भी नहीं खोल पाये जबकि मोहम्मद सिराज मैच में एक भी विकेट नहीं ले सके। भारतीय टीम जब विशाखापत्तनम टेस्ट मैच में उतरेगी तो उसे इन दो खिलाड़ियों को शामिल किये जाने पर दोबारा विचार करना होगा।

शुभमन टेस्ट, वनडे और टी20 तीनों फॉर्मेट में ही फिट बैठता है। ऐसे में टीम से बाहर करने से उनका आत्मविश्वास कम हो सकता है। कप्तान रोहित शर्मा और कोच राहुल द्रविड़ की कप्तान-कोच की जोड़ी का यही मानना रहा है। पहले अंतिम ग्यारह में बार-बार बदलाव देखने को मिलते थे. जबकि रोहित-द्रविड़ खिलाड़ियों को पर्याप्त अवसर देते हैं हालांकि इससे कई बार दूसरे खिलाड़ियों के मौके छिन जाते हैं। हाल में सरफराज खान ने भी घरेलू क्रिकेट में काफी रन बनाये हैं और वह भी टीम में जगह के लिए लगातार अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं। इसके अलावा रजत पाटीदार ने जनवरी में ही इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो शतक लगाए हैं. उन्होंने तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 151 रन की पारी खेली तो पारी करते हुए 111 रन बनाये। यानी उन्होंने नई गेंद का सामना करते हुए ये शतक लगाए हैं। ऐसे में वह भी टीम में जगह के दावेदार हैं।

कुंबले बोले पुजारा को नहीं मिले शुभमन जितने अवसर

हैदराबाद । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले ने कहा है कि खराब प्रदर्शन के बाद भी युवा बल्लेबाज शुभमन गिल को काफी अवसर मिले हैं जबकि अनुभवी बल्लेबाज को इस प्रकार की सुरक्षा नहीं मिली थी। शुभमन इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में विफल रहे थे। वह पिछली 11 टेस्ट पारियों में अर्धशतक नहीं लगा पाये। इसके बाद भी कप्तान रोहित शर्मा और कोच राहुल द्रविड़ ने उनपर भरोसा कायम रखा है। कुंबले ने कहा, 'शुभमन को जो सुरक्षा मिली हुई है वह पुजारा को भी नहीं मिली थी जबकि पुजारा ने 100 से अधिक टेस्ट खेले हैं। उन्होंने कहा, 'मैं बार बार पुजारा की बात करता हूं क्योंकि वह कुछ समय पहले तक तीसरे नंबर पर उतरते थे। पुजारा ने विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल खेला और उसके बाद से ही शुभमन तीसरे नंबर पर उतर रहे हैं। पुजारा ने जून 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल खेला था जिसके बाद उन्हें बाहर कर दिया गया था। इस महीने की शुरूआत में उन्होंने रणजी मैच में नाबाद 243 रन बनाए, इसके बाद भी उन्हें वापसी का अवसर नहीं मिला। वहीं कुंबले ने कहा कि शुभमन को बेहतर बल्लेबाजी के लिए अपनी मानसिकता पर काम करना होगा और तकनीक को भी ठीक करना होगा। उन्होंने कहा, 'अगर आप भारत में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करना चाहते हैं तो तकनीक पर काम करना होगा। उसके पास हुनर है और वह युवा है, सीख रहा है लेकिन उसे दूसरे टेस्ट में अच्छा खेलना होगा वरना उस पर मानसिक दबाव आ जाएगा।

इंग्लैंड ने दिखाया कि वह एक शीर्ष टीम है : हुसैन

हैदराबाद । इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने भारतीय टीम के खिलाफ पहले ही मैच में जीत के लिए अपनी टीम की प्रशंसा की है। हुसैन ने कहा कि कप्तान बेन स्टोक्स की टीम ने दिखाया है कि वह एक शीर्ष टीम है जिससे किसी को उलझने और कम समझने की गलती नहीं करनी चाहिये। पहले टेस्ट में इंग्लैंड ने वापसी करते हुए भारत को 28 रन से हराया जबकि पहली पारी में भारतीय टीम को 190 रनों की बढ़त मिली हुई थी। इस पूर्व कप्तान के अनुसार उपकप्तान ओली पोप के 196 रनों से मैच में उनकी टीम हावी हो गयी। इस मैच में भारतीय टीम को जीत के लिए 231 रनों का लक्ष्य मिला था पर भारतीय टीम अपनी दूसरी पारी में केवल 202 रन पर ही बना पायी। इस जीत से इंग्लैंड की टीम को सीरीज में बढ़त भी मिल गई है, जिससे भी उसका हौंसला बढ़ा है। इससे ये भी साबित हुआ है कि मेहमान टीम की बैजबॉल (आक्रामक) रणनीति भी भारतीय हालातों में काम कर गयी। हुसैन ने कहा, कप्तान बेन स्टोक्स और मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम के नेतृत्व में टीम का सफर रोमांचक रहा है। इससे पता चलता है कि उनमें काफी आत्मविश्वास है। जिस तरह से वे खेल रहे हैं। उसमें उन्हें बहुत विश्वास है और वे चीजों को अपने तरीके से करते हैं। वे बाहरी बातों को लेकर चिंता नहीं करते हैं। मुझे इस टीम में जो बात पसंद है, वह है, उसका जुनून। यदि आप उन पर संदेह करते हैं तो वे और खतरनाक होकर सामने आते हैं। मुझे लगता है कि यह एक अच्छी बात है क्योंकि यदि आप लगातार बाहरी बातों को सुन रहे हैं, तो आप अपने लक्ष्य से भटक सकते हैं जबकि कोच और कप्तान जानते हैं कि वे क्या चाहते हैं। वे उस पर कायम रहेंगे और टीम का समर्थन करते रहेंगे।

इंग्लैंड से हार के बाद भारत को लगा एक और झटका, डब्लयूटीसी अंक तालिका में बांग्लादेश से नीचे खिसका

हैदराबाद (एजेंसी)। भारत को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की नई रैंकिंग में झटका लगा है और टीम अंक तालिका में बांग्लादेश से नीचे खिसक गया है। पांच मैचों की सीरीज के शुरुआती टेस्ट मैच में इंग्लैंड से करारी हार के बाद भारत वर्तमान में पांचवें स्थान पर है। भारत को हैदराबाद के राजीव गांधी स्टेडियम में 28 रन से हार का सामना करना पड़ा है।

शुरुआती टेस्ट मैच में जब भारत और इंग्लैंड के बीच भिड़ंत हुई तो एक रोमांचक लड़ाई के लिए मंच तैयार हो गया था। रोहित शर्मा की अगुवाई में भारत ने शुरुआती दिनों में दबदबा बनाए रखा, लेकिन ओली पोप के लचीलेपन ने खेल का रुख पलट दिया। उनकी 196 रनों की शानदार पारी ने गति बदल दी जिससे भारत को 231 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य मिला।

रोमांचक फाइनल में भारतीय बल्लेबाजी लाइनअप को नए टॉम हार्टले की स्पिन क्षमता का सामना करना पड़ा। युवा स्पिनर ने अंतिम पारी में 7 महत्वपूर्ण विकेट लेकर एक जाल बुना। अथक प्रयासों के बावजूद भारत 28 रन से चूक गया जिससे इंग्लैंड को एक यादगार जीत मिल गई।

अभी भारत इस हार से उभरा भी नहीं गया था कि विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप की रैंकिंग के आने के बाद भारत पांचवें स्थान पर खिसक गया। निराशा स्पष्ट है, विशेषकर मौजूदा टूर्नामेंट में उनके मिश्रित प्रदर्शन को देखते हुए। दो जीत, दो हार और एक ड्रॉ के साथ भारतीय टीम चैंपियनशिप में अहम मोड़ पर है। अब ध्यान विजाग में होने वाले आगामी टेस्ट मैच पर है, जहां घरेलू टीम के लिए वापसी का संकेत है। नंबर 3 स्थान पर अपने संघर्षों के लिए सुर्खियों में रहने वाले शुबमन गिल पर उम्मीदों का भार है। उस भूमिका में बिना अर्धशतक के पांच टेस्ट खेलने के बाद गिल को अपनी क्षमता साबित करने और भारत के पुनरुत्थान में योगदान देने के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण का सामना करना पड़ रहा है।

विदित गुजराती ने रचा इतिहास, बनें भारत के नंबर 1 शतरंज प्लेयर

मुम्बई । 29 वर्षीय शतरंज मास्टर विदित गुजराती ने इतिहास रच दिया है। इस मामले में उन्होंने दिग्गज विश्वनाथ आनंद को पीछे छोड़ा है। इस दौरान उन्होंने नीदरलैंड के विज्क आन जी में टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन से चिह्नित हुआ। 2751.5 की लाइट रेटिंग के साथ, गुजराती अब दुनिया में 10वें स्थान पर है। गुजराती ने नोदिरबेक अब्दुसत्तारोव को मात दिया। उनकी ये उपलब्धि प्रगनानंद के मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन डिंग लिरेन को हराकर भारत का नया नंबर 1 बनने के कुछ ही दिनों बाद आई है। लेकिन प्रज्ञानानंद निचले क्रम में चले गए और अब तीसरे स्थान पर हैं। टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट में गुजराती की सफलता ने न केवल उन्हें भारत में टॉप स्थान पर पहुंचाया, बल्कि उन्हें वर्ल्ड रैंकिंग में टॉप 10 शतरंज खिलाड़ियों में भी जगह दिलाई। ये किसी भी शतरंज खिलाड़ी के लिए एक उल्लेखनीय उपलब्धि है, और ये भविष्य में विश्व चैंपियनशिप खिताब के लिए चुनौती देने की गुजराती क्षमता का प्रतीक है। अपनी प्रतिभा, समर्पण और हालिया उपलब्धियों के साथ, विदित गुजराती निस्संदेह शतरंज की दुनिया में देखने लायक खिलाड़ी हैं। उनका भारत में नंबर 1 स्थान पर पहुंचना और शीर्ष 10 विश्व रैंकिंग में प्रवेश करना उनकी यात्रा की शुरुआत है। दुनिया भर के शतरंज प्रेमी ये देखने के लिए उत्सुकता से इंतजार करते हैं कि आने वाले वर्षों में वह क्या उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हैं।

भारतीय मुक्केबाज मंदीप जांगड़ा ने अमेरिका में इंटरकांन्टिनेंटल खिताब जीता

मुम्बई । भारतीय मुक्केबाज मनदीप जांगड़ा ने वाशिंगटन के टॉप्पेनिश सिटी में गेरार्डो एसक्विवेल को हराकर अमेरिका स्थित 'नेशनल बॉक्सिंग एसोसिएशन (एनबीए)' का 'इंटरकांन्टिनेंटल सुपर फेदरवेट' खिताब जीता। अपने पेशेवर करियर में अब तक अपराजित रहने वाले 30 साल के जांगड़ा ओलंपिक के पूर्व रजत पदक विजेता रॉय जोन्स जूनियर के मार्गदर्शन में अभ्यास करते हैं। उन्हें अमेरिका के मुक्केबाज के खिलाफ शुक्रवार को प्रतिस्पर्धा करने के लिए अपने पिछले 75 किलोग्राम भार वर्ग को छोड़ कर कम भार वर्ग में उतरना पड़ा। उन्होंने यहां जारी एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा, '' यह जीत सिर्फ मेरी नहीं है, बल्कि हर उस व्यक्ति की है, जिसने इस पूरी यात्रा में मेरा साथ दिया। इसमें मेरे कोच, परिवार, प्रशंसक और मेरे साथ खड़े रहने वाले शामिल हैं। मैं यह खिताब अपने देश को समर्पित करता हूं। मैं देश के लिए भविष्य में भी इसी तरह का सम्मान और खिताब हासिल करने की कोशिश करूंगा।'' जांगड़ा ने 2021 में पेशेवर मुक्केबाजी में पदार्पण किया था एसक्विवेल को हराने से पहले जांगड़ा ने अपने छह मुकाबलों में से चार में नॉकआउट जीत दर्ज की है। जांगड़ा ने अमेच्योर सर्किट में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने 2014 ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीता था। फ्लोरिडा स्थित 'नेशनल बॉक्सिंग एसोसिएशन (एनबीए)' पेशेवर मुकाबलों के लिए मान्यता प्राप्त संस्था है।

डेविस कप : पाक पहुंची भारतीय टीम लिए 'राष्ट्र प्रमुख' जैसी सुरक्षा, इस्लामाबाद में लगे 10,000 कैमरे

इस्लामाबाद : डेविस कप मुकाबले के लिए लगभग 60 साल में पहली बार पाकिस्तान दौरे पर गयी भारतीय टेनिस टीम को इस देश की यात्रा करने वाले राष्ट्र अध्यक्ष जैसी सुरक्षा मुहैया कराई गई है। खिलाड़ियों को सुरक्षित महसूस कराने के लिए लागू सुरक्षा योजना के तहत एक बम निरोधक दस्ता हर सुबह इस्लामाबाद स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की जांच करेगा और यात्रा के दौरान भारतीय टीम दो एस्कॉर्ट वाहन की निगरानी में रहेगी। पाकिस्तान टेनिस महासंघ (पीटीएफ) सुरक्षा पहलू पर कोई समझौता नहीं करना चाहता है। भारतीय खिलाड़ी ज्यादातर आयोजन स्थल और होटल तक ही सीमित रहेंगे। खिलाड़ियों के लिए यह स्थिति हालांकि थोड़ी कठिन हो सकती है। पीटीएफअंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ (आईटीएफ) द्वारा अनुमोदित सुरक्षा योजना का पालन कर रहा है। पीटीएफके महासचिव कर्नल गुल रहमान ने कहा, 'भारतीय टीम 60 साल के बाद पाकिस्तान आई है, इसलिए हम अतिरिक्त सावधानी बरत रहे हैं। भारतीय टीम के चारों ओर सुरक्षा की चार से पांच परतें हैं। मैं इस आयोजन के सुरक्षा प्रबंधक के रूप में, यात्रा के दौरान उनके साथ हूं।' भारतीय दल रविवार रात इस्लामाबाद पहुंचा जिसमें पांच खिलाड़ी, दो फिजियो और अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) के दो अधिकारी हैं। रहमान ने कहा, 'यात्रा के समय एस्कॉर्ट वाहन टीम के साथ रहती हैं। टीम वीवीआईपी प्रवेश द्वार से होटल में प्रवेश करती हैं, जो राज्य के प्रमुखों के लिए आरक्षित है। बम निरोधक दस्ते हर सुबह आयोजन स्थल की गहन जांच करेंगे और कार्यक्रम स्थल में किसी को प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। यह प्रक्रिया पूरे मुकाबले के दौरान जारी रहेगी।'

डीन एल्गर ने विराट कोहली पर लगाया गंभीर आरोप, कहा- कोहली ने मुझ पर थूका...

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपने एग्रेशन के लिए जाने जाते भारतीय क्रिकेट टीम के सितारा बल्लेबाज विराट कोहली पर एक बड़ा आरोप लगा है। अक्सर मैदान पर अपने उत्साह से सबको रोमांचित करने वाले कोहली से दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान नाराज नजर आ रहे हैं। पूर्व अफ्रीकी कप्तान ने दावा किया है कि मोहाली के मैदान पर टेस्ट मैच के दौरान विराट ने उनपर थूका था।

डीन एल्गर ने साल 2015 का किस्सा सुनाया है जब प्रोटियाज टीम भारत दौरे पर थी। इस दौरान मोहली में पहला टेस्ट मुकाबला खेला गया था। एल्गर ने याद करते हुए कहा कि उस दिन उस सतह पर खेलना मजाक की तरह था। जब मैं बल्लेबाजी करने आया तो मैं वास्तव में अश्विन और रवींद्र जड़ेजा और कोहली के खिलाफ अपनी पकड़ बनाए हुए था।

यह पूछे जाने पर कि क्या कोहली को इस शब्द का मतलब पता था, एल्गर ने जवाब दिया- हां, उन्होंने ऐसा किया क्योंकि डिविलियर्स आरसीबी में उनके साथी थे, इसलिए वह स्थिति को भांप गए थे। मैंने कहा कि अगर आप ऐसा करते हैं, तो मैं इस मैदान पर..., मैं तुम्हें बिल्कुल मार गिराऊंगा। वैसे भी, हम भारत में हैं इसलिए तुम्हें थोड़ा सतर्क रहना होगा।

हालांकि एल्गर ने इस दौरान यह भी स्वीकार कर लिया कि कोहली ने बाद में 2017-18 में भारत के दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान माफी मांग ली थी।

एल्गर ने कहा कि 2-3 साल बाद कोहली मेरे पास आए। उन्होंने मुझसे कहा कि सुनो क्या हम सीरीज के बाद बैठ सकते हैं, ड्रिंक ले सकते हैं? मैं अपने कृत्य के लिए माफी मांगना चाहता हूं। हमने उस दिन सुबह 3 बजे तक शराब पी थी।

इस घटना के बाद दोनों के रिश्ते मजबूत हो गए। इस महीने की शुरुआत में केपटाउन के न्यूलैंड्स में भारत के खिलाफ एल्गर ने अंतिम टेस्ट खेला। इस दौरान विराट कोहली वह पहले शख्स थे जोकि एल्गर को बधाई देने के लिए पहुंचे। एल्गर ने दो टेस्ट मैचों की सीरीज में नियमित कप्तान टेम्बा बावुमा के चोटिल हो जाने के कारण कप्तानी की थी। सीरीज का दूसरा टेस्ट भारत ने जीतकर सीरीज बराबर की थी।

काइनेटिक लूना की फिर हो रही वापसी

-मात्र 500 रुपये में शुरू होगी बुकिंग

नई दिल्ली ।

लोकप्रिय मोपेड काइनेटिक लूना एक बार फिर वापसी होने जा रही है। कंपनी ने इसकी बुकिंग भी शुरू कर दी है। अब लूना पूरी तरह इलेक्ट्रिक मॉडल में आएगी। इसकी बुकिंग 26 जनवरी से 500 रुपये में कंपनी की वेबसाइट पर शुरू होने वाली है। बता दें कि काइनेटिक ने इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट में कदम रख दिया है और वर्तमान में इलेक्ट्रिक स्कूटर समेत कई तरह के इलेक्ट्रिक वाहन बना रही है। चूंकि लूना इलेक्ट्रिक मॉडल में आने वाली है, इसलिए इसका उत्पादन काइनेटिक इलेक्ट्रिक करेगी। ई-लूना को इसी साल फरवरी में लॉन्च किया जाएगा. फिलहाल काइनेटिक ने ई-लूना की रेंज और फीचर्स के बारे में आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की है. हालांकि, कई रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि इलेक्ट्रिक लूना फुल चार्ज पर 100 किलोमीटर की रेंज देगी. वहीं इसकी टॉप स्पीड 50 किलोमीटर प्रति घंटा तक सीमित होगी. लूना में एलईडी हेडलाइट, डिजिटल डिस्प्ले, सेफ्टी लॉक जैसे फीचर्स मिलने की उम्मदी है. लूना को प्राइवेट और कमर्शियल ग्राहकों के लिए अलग-अलग मॉडलों में लॉन्च किया जाएगा. जानकारी के मुताबिक इसकी कीमत 70,000 रुपये से कम हो सकती है. इसपर फेम-2 सब्सिडी का भी फायदा भी दिया जा सकता है।

मालूम हो कि कम सेल्स और नए उत्सर्जन नियमों के वजह से काइनेटिक लूना का उत्पादन साल 2000 में बंद कर दिया गया था। यह मोपेड एक समय इतनी लोकप्रिय थी कि कंपनी इसकी हर दिन 2,000 यूनिट्स बेच रही थी। अपने पूरे जीवनकाल में लूना 50 लाख यूनिट्स बिक गई थी। वहीं, इसने मोपेड मार्केट में अपनी 95 प्रतिशत हिस्सेदारी बना ली थी।

टेलीविजन की कीमत में फिर हो सकती है 10 फीसदी बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

टीवी का पैनल बनाने में उपयोग होने वाले ओपन सेल की कीमतें लगातार बढ़ने से कंपनियां भी टीवी के दाम बढ़ाने की तैयारी में हैं1 महामारी के बाद से ही ओपन सेल की कीमतों में तेजी है और दिसंबर से इसके दाम करीब 20 फीसदी तक बढ़ गए हैं। इसे लिए टीवी पैनल बनाने वाली कंपनियां फरवरी के आखिर में दाम 15 फीसदी और बढ़ाने की तैयारी में हैं। कंपनियां उत्पादन में कटौती करने पर भी विचार कर रही हैं, जिससे मांग के मुकाबले आपूर्ति कम रह सकती है। ओपन सेल टेलीविजन का प्रमुख हिस्सा होता है और उत्पादन पर होने वाले कुल खर्च में 60-65 फीसदी हिस्सेदारी इसी की होती है। इसका सबसे ज्यादा उत्पादन चीन की 4-5 कंपनियां करती हैं और ओपन सेल के दाम भी अपनी मर्जी से ही तय करती हैं।

इसका दाम पिछले साल अगस्त में भी काफी बढ़ गया था, लेकिन उत्पादक कंपनियों ने दाम घटाए तो इनमें कुछ नरमी आई थी। एक रिटेलर ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया कि छोटी और बड़ी स्क्रीन के टेलीविजन पैनल के दाम बढ़ सकते हैं। लेकिन दाम कितने बढ़ेंगे, यह टीवी कंपनियां ही तय करेंगी।

रिटेलर ने कहा कि कुछ कंपनियां दाम एकमुश्त न बढ़ाकर धीरे-धीरे बढ़ा सकते हैं क्योंकि पहले ही काफी स्टॉक बिके बगैर पड़ा है।

देश के कई राज्यों में पेट्रोल और डीजल की कीमत में बदलाव

वैश्विक बाजार में क्रूड की कीमत 84 डॉलर के पार

नई दिल्ली ।

कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बावजूद यूपी-बिहार में सोमवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में गिरावट देखी जा रही है। वै श्विक बाजार में क्रूड 84 डॉलर के भाव को भी पार कर गया है। इस बीच सोमवार सुबह सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भी बदलाव दिख रहा है। आज यूपी और बिहार के कई शहरों में तेल सस्ता हुआ है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार नोएडा में पेट्रोल 17 पैसे सस्ता होकर 96.59 रुपये लीटर बिक रहा है तो डीजल 17 पैसे गिरकर 89.76 रुपये लीटर हो गया है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल सस्ता हुआ और 11 पैसे गिरकर 107.48 रुपये लीटर बिक रहा है।

यहां डीजल भी 10 पैसे गिरकर 94.26 रुपये लीटर हो गया है। हरियाणा की राजधानी गुरुग्राम में पेट्रोल 29 पैसे महंगा हुआ और 97.10 रुपये लीटर बिक रहा, जबकि डीजल 27 पैसे महंगा होकर 89.96 रुपये लीटर हो गया है। वैश्विक बाजार में सोमवार को कच्चे तेल की कीमतों में बड़ा उछाल दिख रहा है। ब्रेंट क्रूड की कीमतों में लगातार तेजी जारी है। ब्रेंट क्रूड का भाव 84.18 डॉलर प्रति बैरल हो गया है, जबकि डब्ल्यूटीआई का भाव उछाल के साथ 78.60 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.59 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.48 रुपये और डीजल 94.26 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गुरुग्राम में पेट्रोल 97.10 रुपये और डीजल 89.96 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

स्पाइसजेट ने आवंटित किए 744 करोड़ के शेयर और वारंट

कंपनी की स्थिति को मजबूत करने की दिशा में उठाया कदम

नईदिल्ली ।

स्पाइसजेट ने अपने तरजीही आवंटन (इश्यू) की पहली किस्त में कुल 744 करोड़ रुपये के शेयर और वारंट आवंटित किए हैं। यह निर्णय कंपनी के निदेशक मंडल ने लिया, जो स्पाइसजेट की वित्तीय स्थिति को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कंपनी के प्रवक्ता के मुताबिक, निदेशक मंडल ने 54 ग्राहकों को तरजीही आधार पर 5.55 करोड़ इक्विटी शेयर आवंटित करने की मंजूरी दे दी है। इसके अलावा, बोर्ड ने 9.33 करोड़ वारंट के आवंटन को मंजूरी दे दी, जिसमें एलारा इंडिया अपॉर्चुनिटी फंड लिमिटेड और सिल्वर स्टैलियन लिमिटेड को तरजीही आधार पर आवेदन करने और समतुल्य संख्या में इक्विटी शेयर आवंटित करने का विकल्प दिया गया।

स्पाइसजेट के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक अजय सिंह ने कहा : हम अपने तरजीही आवंटन की पहली किस्त के पूरा होने से खुश हैं, जो स्पाइसजेट की विकास संभावनाओं में निवेशकों के विशे वास को दर्शाता है और हम आगे की आवंटन प्रक्रिया को उत्तरोत्तर पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

फंड इन्फ्यूजन स्पाइसजेट के लिए नए रास्ते खोलेगा, जिसके परिणामस्वरूप अधिक नकदी-कुशल संचालन, विस्तारित बेड़ा और नेटवर्क होगा। स्पाइसजेट को शेष ग्राहकों से इक्विटी/वारंट जुटाने की एक और किस्त पूरी करनी है और उसने चल रहे तरजीही मुद्दे के तहत प्रक्रिया को पूरा करने के लिए सक्षम प्राधिकारी से अतिरिक्त समय का अनुरोध किया है।

ऑटोमैटिक गियरबॉक्स से लैस होंगी की टाटा की कारें

-टिगोर और टियागो आईसीएनजी में है ये खूबियां

नईदिल्ली ।

टाटा मोटर्स ने देश की पहली ऐसी कारों रही है, जो सीएनजी वैरिएंट में ऑटोमैटिक गियरबॉक्स से लैस होंगी। कंपनी ने टिगोर आईसीएनजी और टियागो आईसीएनजी को ऑटोमैटिक गियरबॉक्स में लाने का खुलासा किया है। इन मॉडलों के लिए कंपनी ने बुकिंग लेना भी शुरू कर दिया है। इच्छुक ग्राहक 21,000 रुपये अमाउंट के साथ इन कारों की बुकिंग टाटा मोटर्स के आधिकारिक डीलरशिप पर या ऑनलाइन भी बुक कर सकते हैं। नई टियागो आईसीएनजी एएमटी तीन वेरिएंट (एक्सटीए सीएनजी, एक्सझेडए+सीएनजीऔर एक्सझेडए एनआरजी में उपलब्ध है, जबकि टिगोर आईएनजी एएमटी को दो वेरिएंट (एक्सझेडए सीएनजी और एक्सझेडए+सीएनजी) में खरीदा जा सकेगा। बता दें कि टाटा की सभी सीएनजी कारें ट्विन सिलेंडर टेक्नोलॉजी से लैस हैं। इस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कार में एक्स्ट्रा स्पेस देने के लिए किया जाता है, जिसके तहत कार में एक बड़े सीएनजी सिलेंडर के बजाए दो छोटे सिलेंडर लगाए जाते हैं। इससे बूट में थोड़ी अधिक जगह मिलती है। पेट्रोल से सीएनजी मोड पर स्विच करने के लिए ये कारें एक सिंगल एडवांस्ड ईसीयू से लैस हैं। इन्हें डायरेक्ट सीएनजी मोड में स्टर्ट किया जा सकता है। इसके अलावा, टाटा मोटर्स ने इन मॉडलों के लिए नए कलर ऑप्शन भी पेश किए हैं। दोनों आईसीएनजी कारों में 26 किलोमीटर प्रति किलो माइलेज मिलती है। टिगोर आउट टियागो को जीएनसीएपी क्रैश टेस्ट में क्रमशः 5 स्टार और 4 स्टार की सेफ्टी रेटिंग दी गई है। कंपनी के मुताबिक, वित्त वर्ष 2024 में पिछले वित्त वर्ष की तुलना में सीएनजी मार्केट में 40.5 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिली है।इन कारों में सेफ्टी फीचर्स के तौर पर एक माइक्रो स्विच भी दिया गया है, जो ईंधन भारवाते समय कार को बंद कर देता है। इसके अलावा सिलेंडर कम्पार्टमेंट में एक्स्ट्रा थर्मल प्रोटेक्शन भी मिलती है।

गैस लीक को रोकने के लिए आईसीएनजी किट में एडवांस्ड मटेरियल का इस्तेमाल किया गया है।

स्पाइसजेट अपने बेड़े के उन्नयन पर देगी ध्यान

नई दिल्ली ।

विमानन कंपनी स्पाइसजेट ने कहा कि वह इस महीने अपने बेड़े के उन्नयन तथा लागत में कटौती के उपायों पर ध्यान केंद्रित करेगी। एयरलाइन द्वारा वरिष्ठ कर्मचारियों को सोमवार को भेजे एक आंतरिक पत्र के अनुसार अब उसके पास 900 करोड़ रुपये से अधिक की पर्याप्त राशि है। इसमें सरकार से आपात क्रेडिट लाइन गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) के तहत किस्त के रूप में प्राप्त 160 करोड़ रुपये भी शामिल हैं। कई परेशानियों से घिरी कंपनी को अब तक ईसीएलजीएस के तहत करीब 1,000 करोड़ रुपये मिले हैं। मामले की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी ने बताया कि हाल ही में कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक अजय सिंह द्वारा एयरलाइन में निवेश करने के बाद यह नई किस्त जारी की गई। अधिकारी ने बताया कि कि एयरलाइन ने तीन महीने में कुल 1,100 करोड़ रुपये से अधिक का कोष जुटाया है। पत्र के अनुसार कंपनी बेड़े के उन्नयन, समय पर सेवाएं देने और परिचालन को सुव्यवस्थित करने के लिए लागत में कटौती के उपाय लागू करने पर ध्यान देगी।

अदाणी ग्रीन एनर्जी मैच्योरिटी से पहले छुड़ाएगी होल्डको बॉन्ड्स

नई दिल्ली ।

अदाणी समूह की कंपनी अदाणी ग्रीन एनर्जी ने सोमवार को 750 मिलियन डॉलर के 4.375 नोट्स या होल्डको नोट्स को 9 सितंबर, 2024 की मैच्योरिटी अवधि से 8 महीने पहले ही छुड़ाएगी। अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के प्रोमोटर्स को 9,350 करोड़ रुपये के प्रेफरेंशियल अलॉटमेंट से फंड मिला है। जिसकी वजह से कंपनी इन नोट्स को छुड़ा पाने में सक्षम हुई है। एजीईएल के शेयरधारकों ने 18 जनवरी 2024 को भारी 99.9 फीसदी बहुमत के साथ तरजीही आवंटन को मंजूरी दे दी और उसके बाद प्रमोटरों ने पिछले सप्ताह एजीईएल में 2,338 करोड़ रुपये का प्राथमिक निवेश किया। एजीईएल ने सीनियर डेट रिडेम्पशन अकाउंट (एसडीआरए) और होल्डको नोट्स के अन्य आरक्षित खातों में धनराशि अलग रख दी है, जिसके बाद रिजर्व की फंडिंग पूरी हो गई है। कंपनी ने कहा है कि होल्डको नोट्स की बकाया राशि मैच्योरिटी से आठ महीने पहले होल्डको नोट्स को सुरक्षित करने वाले कई रिजर्व अकाउंट्स के हिस्से के रूप में अलग रखे गए कैश बैलेंस के माध्यम पूरी तरह से सुरे क्षित किए जाएंगे। रीपेमेंट का आधार 1.425 बिलियन डॉलर का सफल इक्विटी कैपिटल जुटाने की योजना है, जिसमें प्रमोटर्स की ओर से 1.125 बिलियन डॉलर का प्रेफरेंशियल इश्यू और टोटल एनर्जीज की ओर से 300 मिलियन डॉलर शामिल हैं।

सोना चमका, चांदी ने भी दिखाए तेवर

नई दिल्ली । इस सप्ताह सोने और चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत तेजी के साथ हुई। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 62 हजार रुपये के ऊपर, जबकि चांदी के वायदा भाव 72 हजार रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। वै श्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव में भी तेजी देखी जा रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रैक्ट आज 157 रुपये की तेजी के साथ 62,263 रुपये के भाव पर खुला जो 158 रुपये की तेजी के साथ 62,264 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रैक्ट 81 रुपये की तेजी के साथ 71,854 रुपये के भाव पर खुला जो 227 रुपये की तेजी के साथ 72,000 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै श्विक बाजार में कॉमेक्स पर सोना 2,040.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,017.30 डॉलर था जो 5.90 डॉलर की तेजी के साथ 2,023.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 22.92 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 22.87 डॉलर था जो 0.12 डॉलर की तेजी के साथ 22.99 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

शेयर बाजार भारी उछाल के साथ बंद , सेंसेक्स में 1200 अंकों से अधिक की बढ़त

21,700 के ऊपर निकला निफ़्टी

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को भारी उछाल के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही लिवाली (खरीददारी) हावी होने से आई है। निजी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज और बैंकिंग शेयरों में मजबूती से भी बाजार ऊपर आया है। निवेशकों की नजर 31 जनवरी को अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल के ब्याज दरों को लेकर निर्णय और 1 फरवरी को अंतरिम बजट पर टिकी हुई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1240.90 अंक करीब 1.76 फीसदी की जबरदस्त तेजी के साथ ही 71,941.57 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 392.15 अंक तकरीबन 1.84 फीसदी बढ़कर 21,744.75 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में 6 फीसदी से ज्यादा की तेजी रही। इसके अलावा कोटक बैंक, एक्सिस बैंक और एचडीएफसी बैंक के शेयर भी आज बढ़त के साथ बंद हुए। पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन, सन फार्मा, लार्सन एंड टुब्रो और स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया के शेयर भी ऊपर आये। वहीं दूसरी ओर जेएसडब्ल्यू स्टील, इंफोसिस, आईटीसी (आईटीसी) और टीसीएस (टीसीएस) के शेयरों में गिरावट रही। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर आज बाजार में लगभग 7 फीसदी ऊपर आये। इंट्राडे सेशन के दौरान सेंसेक्स और निफ्टी के शेयरों का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा। रिलायंस के अलावा एचडीएफसी बैंक, लार्सन एंड टुब्रो, कोटक बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा मोटर्स और एनटीपीसी समेत अन्य शेयरों में लिवाली से भी बाजार को बल मिला। 1 फरवरी को आने वाले अंतरिम बजट को लेकर भी निवेशकों में उत्साह है जिससे भी बाजार का माहौल सकारात्मक रहा। वहीं एशियाई बाजारों में आज तेजी रही। सुबह हैंग सेंग 1.5 फीसदी से ज्यादा उछला जबकि कोस्पी में 1 फीसदी की बढ़त रही। निक्केई में 0.8 फीसदी का उछाल रहा। शंघाई, स्ट्रेट्स टाइम्स और ताइवान के बाजारों में भी लगातार बढ़त रही है। मुद्रास्फीति के आंकड़ों में बढ़ोतरी के बीच अमेरिकी बाजार मिश्रित रुख के साथ बंद हुआ। डॉव जोन्स में 0.2 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जबकि एसएंडपी 500 और नैस्डैक में 0.1 फीसदी और 0.4 फीसदी की गिरावट आई। इससे पहले आज सुबह बाजार शुरूआती कारोबार में जोरदार तेजी के साथ खुले। इस सप्ताह निवेशकों की नजर 31 जनवरी को अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल के ब्याज दरों को लेकर निर्णय और 1 फरवरी को अंतरिम बजट पर केंद्रित है। उससे भी बाजार में उत्साह रहा।

चीनी का उत्पादन 2023-24 सीजन में चार फीसदी हो सकता है कम

नई दिल्ली । देश में चीनी का उत्पादन 2023-24 सीजन अक्टूबर-सितंबर में सालाना आधार पर करीब चार प्रतिशत घटकर 3.16 करोड़ टन रहने का अनुमान है। चीनी व्यापार संगठन अखिल भारतीय चीनी व्यापार संघ (एआईएसटीए) ने सोमवार को अपना पहला उत्पादन अनुमान जारी करते हुए कहा कि 3.16 करोड़ टन के अनुमानित चीनी उत्पादन और 57 लाख टन के शुरुआती भंडार के साथ देश में चीनी की उपलब्धता 3.73 करोड़ टन होने की संभावना है। यह अनुमानित घरेलू खपत 2.9 करोड़ टन से अधिक है। एआईएसटीए के अनुसार 2023-24 सीजन में चीनी का अंतिम भंडार करीब 82 लाख टन होगा। अखिल भारतीय चीनी व्यापार संघ (एआईएसटीए) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि पहला अनुमान इस्तेमाल किए गए गन्ने की मात्रा, अब तक प्राप्त उपज तथा वसूली दर, शेष खड़ी फसल तथा इथेनॉल के उत्पादन उत्पादन के लिए सुक्रोज के विविधीकरण को ध्यान में रखते हुए लगाया गया है। उन्होंने कहा कि उत्पादन अनुमान में तीन प्रतिशत का अंतर हो सकता है। वित्त वर्ष 2023-24 सीज़न में उत्तर प्रदेश में चीनी का उत्पादन 1.17 करोड़ टन से अधिक होने का अनुमान है। इसी अवधि में महाराष्ट्र में 96 लाख टन और कर्नाटक में 47 लाख टन उत्पादन का अनुमान है।

गरीबों के लिए नई किफायती आवास योजना लाएगी केंद्र सरकार

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार 2015 में शुरू की गई प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के लिए ऋण पर सब्सिडी योजना की तर्ज पर शहरी गरीबों के लिए नई किफायती आवास योजना लाने पर विचार कर रही है। बताया जा रहा है कि इस योजना के तहत शहरों और उनके आसपास के इलाकों के निम्न एवं मध्यम आय वाले परिवारों को मकानों के लिए सब्सिडी दी जाएगी। आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय ने प्रस्तावित ऋण सब्सिडी योजना की बारीकियां तैयार करने के लिए देश के कुछ शीर्ष ऋणदाताओं के साथ बैठकें की हैं। इन बैठकों में शामिल अधिकारियों के मुताबिक मंत्रालय ने संकेत दिया है कि योजना के तहत सब्सिडी का हिस्सा पिछली बार की तरह अधिक नहीं होगा। सरकार ने यह भी पूछा है कि इस योजना के लिए ऋणदाताओं को कितनी रीफाइनैंसिंग की जरूरत होगी, ऋणदाताओं को किस दर पर रकम दी जानी चाहिए और कर्ज लेने वालों के लिए ब्याज दर क्या रहेगी? एक सूत्र ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर कहा कि मंत्रालय के अधिकारी जानना चाहते थे कि ऋणदाताओं को कितने ब्याज पर कर्ज दिया जाना चाहिए। वे यह भी जानना चाहते थे कि आवेदकों को ऋणदाता कितने ब्याज पर कर्ज देंगे। उन्होंने कहा कि योजना गरीबों के लिए है, इसलिए ऋणदाताओं को ऊंचा मुनाफा नहीं लेना चाहिए। पिछली बार ऋण सब्सिडी योजना में 20 साल के लिए कर्ज लेने वाले हर लाभार्थी को 2.30 लाख रुपये से 2.67 लाख रुपये तक सब्सिडी दी गई थी।

घटनाक्रम के जानकार एक अन्य व्यक्ति ने बताया कि प्रस्तावित योजना मुख्य रूप से शहरों और उसके आसपास के इलाकों के लिए होगी। पिछली बार ऋण सब्सिडी योजना में 20,000 से अधिक जगहें शामिल थीं।

अदालत ने चाइना एवरग्रांडे को संपत्ति बेचने का दिया आदेश

हांगकांग । हांगकांग की एक अदालत ने रियल एस्टेट समूह चाइना एवरग्रांडे को लेनदारों के साथ पुनर्गठन समझौते पर पहुंचने में असफल रहने के बाद अपनी संपत्ति बेचने का सोमवार को आदेश सुनाया। न्यायाधीश लिंडा चान ने कहा कि व्यवहार्य पुनर्गठन प्रस्ताव को आगे बढ़ाने में कंपनी की ओर से प्रगति की कमी के साथ-साथ एवरग्रांडे के दिवालिया होने की स्थिति को देखते हुए अदालत के लिए एवरग्रांडे को अपना व्यवसाय बंद करने का आदेश देना उचित है। आदेश से चीन की वित्तीय प्रणाली पर असर पड़ने की आशंका है, भले ही अधिकारी चीनी शेयर बाजार में बिकवाली को रोकने की कोशिश कर रहे हों। एवरग्रांडे को दिसंबर में थोड़े समय के लिए छूट दी गई थी। तब समूह ने कहा था कि वह देनदारियों में 300 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की नई ऋण पुनर्गठन योजना को और बेहतर बनाने का प्रयास कर रहा है। लेनदारों के एक समूह का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील फर्गस सौरिन ने कहा कि वह आदेश से आश्चर्यचकित नहीं हैं। कंपनी हमारे साथ जुड़ने में विफल रही है।

घरेलू स्मार्ट इलेक्ट्रॉनिक कंपनियों में लावा और क्यूबो को उच्च रेटिंग

नई दिल्ली । घरेलू स्मार्ट इलेक्ट्रॉनिक कंपनियों में लावा और क्यूबो को उच्च रेटिंग मिल रही हैं और वे ब्रांड स्वीकृति के मामले में अपने वैश्विक साथियों के साथ कड़ी प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। एक बाजार विश्लेषण फर्म ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। फर्म ने दिसंबर में ई-कॉमर्स मंच अमेजन और फ्लिपकार्ट पर 35 विभिन्न उत्पाद श्रेणियों में 25 ब्रांडों को मिली रेटिंग के आधार पर एक अध्ययन किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि हमने पाया कि ई-कॉमर्स मंच पर रियलमी और रेडमी सहित विदेशी कंपनियों के लिए उपभोक्ताओं की औसत रेटिंग 4.3 थी। इसके मुकाबले लावा ने 4.2 अंक हासिल किए, जो उद्योग के मानक के बेहद करीब है। फर्म ने कहा कि लावा को 90 प्रतिशत उपभोक्ताओं ने उच्च रेटिंग दी, जबकि वैश्विक ब्रांडों के लिए यह आंकड़ा 75.8 प्रतिशत था। इसी तरह इंटरनेट ऑफ थिंग्स श्रेणी में हीरो समूह की कंपनी क्यूबो को 4.1 रेटिंग मिली, जबकि उद्योग का औसत चार था।

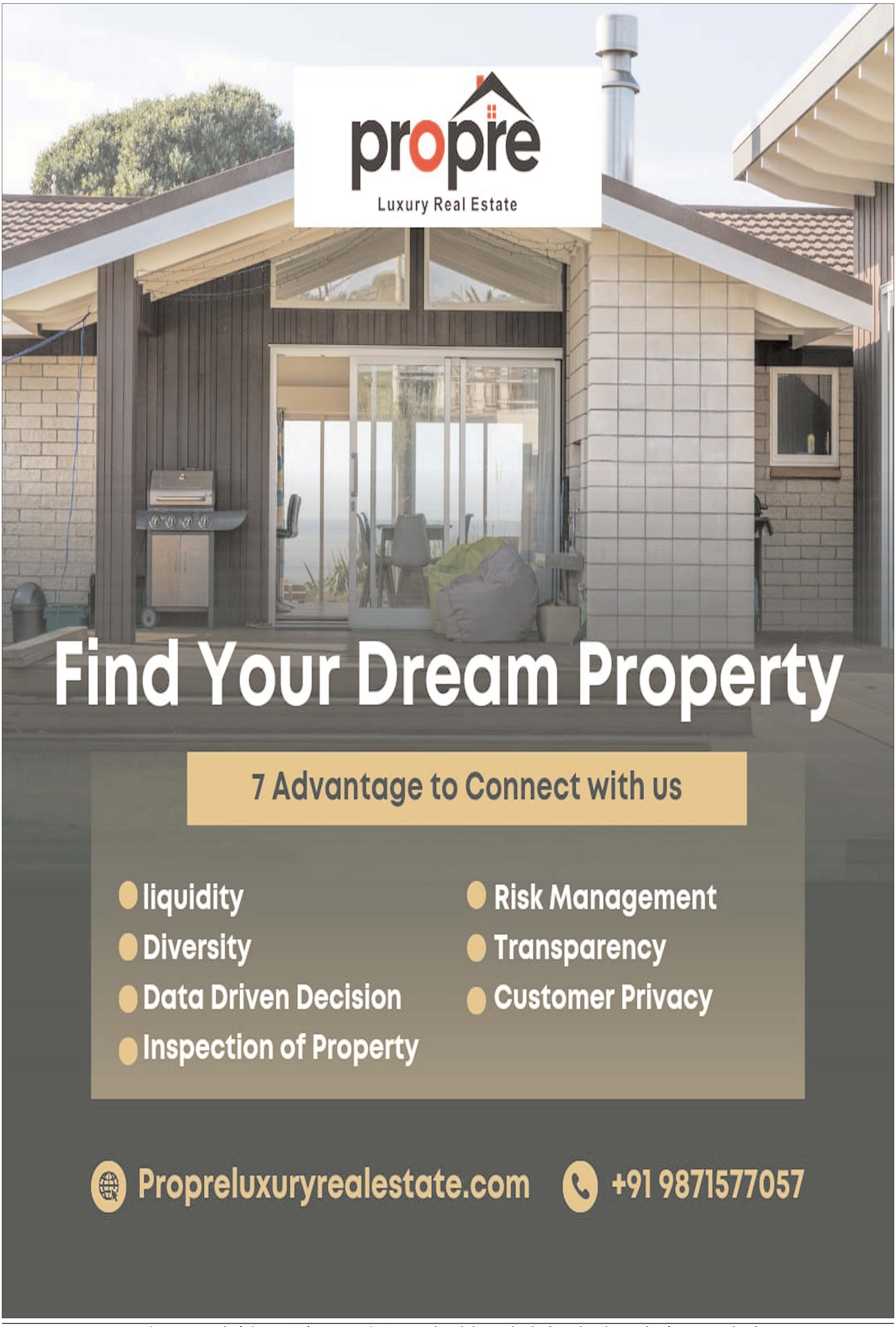

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः **जितेन्द्र चौधरी**, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in